मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 253
बुधवार, 01 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

गुजरात को पीएम मोदी की 20,000 करोड़ की सौगात

गुजरात, 31 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मार्च को आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार स्थानीय सरकारी निकायों से लेकर संसद तक, जनता के समर्थन से विकास की सुपरफास्ट एक्सप्रेस को बरकरार रखेगी। गुजरात के वाव-थारद में एक जनसभा में बोलते हुए, मोदी ने राज्य सरकार के 4.08 लाख करोड़ रुपये के बजट पर प्रकाश डाला और कहा कि गुजरात सरकार ने 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया है। यह धनराशि गांवों, कस्बों और शहरों के विकास पर खर्च की जाएगी। जब तक पंचायत से लेकर संसद तक आपका विश्वास बना रहेगा, विकास की सुपरफास्ट एक्सप्रेस इसी गति से आगे बढ़ती रहेगी।

मोदी ने कहा कि आज मेरा मन एक और बात से प्रसन्न है। जब मैं यहां आया तो पहली बार मेरा विमान सीधे डीसा एयरबेस पर लैंड हुआ। डीसा का एयरबेस अंतर्राष्ट्रीय सीमा से केवल 130 किमी दूरी पर है। आप समझ सकते हैं कि ये देश की सुरक्षा के लिए भी कितना अहम है। लेकिन डीसा एयरबेस का काम आज से प्रारंभ नहीं हुआ। जब मैं मुख्यमंत्री था तब से मैंने जमीनें एक्वायर की, और हम चाहते थे कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारत की पश्चिम सीमा की सुरक्षा के लिए ये डीसा अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। लेकिन पता नहीं, दिल्ली में उस समय जो लोग राज करते थे, उन्हें गुजरात के प्रति क्या नफरत थी। राष्ट्र की सुरक्षा का ये प्रोजेक्ट भी सालों तक फाइलों में दबा रहा। आपने जब मुझे दिल्ली भेजा तो मैंने उन फाइलों को बाहर निकाला, और आज उसका परिणाम है कि एयरफोर्स का एक बहुत बड़ा बेस अब डीसा से जुड़ गया है।

उन्होंने कहा कि साल 2010 में यानी, आज से 15-16 साल पहले मैंने मुख्यमंत्री रहते हुए सारंगपुर में देश का पहला सोलर पार्क का काम शुरू करवाया था। ये अपने में एक मल्टी टेक्नोलॉजी पार्क है, जिसने सोलर एनर्जी का मूवमेंट शुरू किया। आज गुजरात में जिस प्रकार सोलर एनर्जी का काम हो रहा है। जैसे आज ही खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क से जुड़ी परियोजनाएं शुरू हुई हैं। वो दिन दूर नहीं, जब गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी में दुनिया का बहुत बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। हमने पूरे गुजरात में, गांव गांव को अच्छी सड़कों से जोड़ा। हाई स्पीड हाइवेज बनाए। वंदे भारत जैसे हाई स्पीड ट्रेनों की सुविधा भी गुजरात को मिल रही है। उन्होंने दम भरते हुए कहा कि पंचायत से पार्लियामेंट तक... जब तक आपका भरोसा बना रहेगा... विकास की सुपरफास्ट एक्स्प्रेस को इसी रफ्तार से गति मिलती रहेगी।

प्रधानमंत्री ने बिजली, रेलवे, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग,

स्वास्थ्य, शहरी विकास, जनजातीय विकास और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में फैली 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और समर्पण किया। मोदी ने सौर ऊर्जा उत्पादन में गुजरात के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि आज गुजरात सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी है और इसकी उपलब्धियां चमक रही हैं। भारत में नवीकरणीय ऊर्जा विकास में यह राज्य सबसे आगे है क्योंकि इसने इस क्षेत्र पर तब ध्यान देना शुरू किया जब राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहुत कम ध्यान दिया जा रहा था। 2010 में, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, मैंने एक सौर पार्क की स्थापना की पहल की झ्र एक बहु-प्रौद्योगिकी परियोजना जिसने इस क्षेत्र में सौर ऊर्जा आंदोलन को गति दी। उद्घाटित अवसंरचना परियोजनाओं में अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे भी शामिल था, जो 5,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित एक नियंत्रित राजमार्ग है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने पक्की शोल्डर वाली चार लेन की इदर बडोली बाईपास और एनएच-754के के धोलावीरा-मौवाना-वाउवा-संतालपुर खंड (पैकेज-क्क) को दो लेन की पक्की शोल्डर वाली सड़क में अपग्रेड करने की आधारशिला रखी। उन्होंने गांधीनगर-कोबा-एयरपोर्ट रोड पर भाईजीपुरा जंक्शन पर बनने वाले फ्लाईओवर सहित कई महत्वपूर्ण सड़क अवसंरचना विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इस फ्लाईओवर का उद्देश्य यातायात जाम को कम करना और इसके नीचे व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा प्रदान करना है।

इसके अलावा, मोदी ने गुजरात भर में लगभग 5,300 करोड़ रुपये की लागत वाली 44 शहरी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

1 अप्रैल से बैन होंगे चाइनीज सीसीटीवी कैमरे, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केंद्र का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 31 मार्च। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत सरकार ने 1 अप्रैल, 2026 से चीन में बने सीसीटवी कैमरों की बिक्री पर पूरी तरह बैन लगाने का ऐलान किया है। केंद्र सरकार के इस फैसले का असर अब बाजारों में साफ दिख रहा है। इस बैन के पीछे मुख्य वजह नेशनल सिक्योरिटी और साइबर अटैक का खतरा है। इंटेलिजेंस एजेंसियों को शक है कि चीनी कैमरों के ऐप्स और सर्वर में कोई 'बैकडोर' हो सकता है, जिसके जरिए भारत का जरूरी डेटा चीन भेजा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल हुए 500 से ज्यादा साइबर अटैक ऐसे ही कैमरों से जुड़े थे। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट पवन दुग्गल के मुताबिक, नए सर्टिफिकेशन नियमों के लागू होने से Hikvision, TP-Link और Dahua जैसे बड़े चीनी ब्रांड अब भारत में नहीं बिक पाएंगे।

भारत पहले भी कई बार चीनी टेक्नोलॉजी पर अपनी पकड़ मजबूत कर चुका है। साल 2020 में सरकारी प्रोजेक्ट्स में चीनी सीसी टीवी कैमरों पर बैन लगा दिया गया था और कई चीनी ऐप्स पर भी बैन लगा दिया गया था। सरकार की इस स्ट्रेटेजी का दूसरा बड़ा मकसद स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग, यानी मेक इन इंडिया ब्रांड्स को बढ़ावा देना है।

कांग्रेस ने असम राज्य के साथ हमेशा किया सौतेला व्यवहार : राजनाथ सिंह

असम, 31 मार्च। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को असम की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और उस पर राज्य के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। असम के तेजपुर में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, सिंह ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत पर विश्वास व्यक्त किया। एनडीए उम्मीदवार और असम गण परिषद के नेता पृथ्वीराज राभा के साथ सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने असम की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि की प्रशंसा की।

राजनाथ ने कहा कि असम की धरती संस्कृति और प्रकृति दोनों में समृद्ध है। असम की चाय की सुगंध न केवल भारत में, बल्कि विश्व भर में पाई जाती है। यह साहस की भूमि है और महान नायक लचित बोरफुकन

की भी। असम के वीरों ने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। आपके इस जज्बे को देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि कोई भी ताकत यहां भाजपा सरकार के गठन को नहीं रोक सकती। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा असम की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यह संकल्प लिया है कि असम की संस्कृति और पहचान सुरक्षित रहनी चाहिए। और इसीलिए हिमंता के नेतृत्व में दो इंजन वाली सरकार यहां काम कर रही है। असम ने अब भारत में एक विशिष्ट पहचान हासिल कर ली है। कांग्रेस ने हमेशा असम की उपेक्षा की है। यहां असम के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। कांग्रेस के कुशासन के कारण यहां की चर्चा उग्रवाद, गरीबी और अशांति के इर्द-गिर्द घूमती रही। उन्होंने असम के परिदृश्य में आए बदलाव पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि लेकिन अब समय बदल गया है। आज पूरी दुनिया में कोई भी भुखमरी या उग्रवाद की बात नहीं करता। अब यहां विकास की चर्चा होती है, जो भाजपा की बदौलत ही संभव हो पाया है। कांग्रेस शासन के दौरान सीमावर्ती कई गांवों को 'पिछड़े गांव' कहा जाता था, लेकिन हमने उन्हें देश के 'पहले गांव' का दर्जा दिला दिया है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर का 30 बार दौरा कर चुके हैं। लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में प्रधानमंत्री इस क्षेत्र का दौरा बहुत कम करते थे।

मिडिल ईस्ट जंग का असर अमेरिका पर भी, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 72% तक का भारी उछाल, यूएई का भी हाल बेहाल

नई दिल्ली, 31 मार्च। मिडिल ईस्ट में चल रही जंग ने अब सिर्फ युद्ध के मैदान तक ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अपनी चपेट में ले लिया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव खासतौर पर ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच टकराव का सबसे बड़ा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ा है। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब और किचन तक पहुंच रहा है।

हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि अमेरिका से लेकर संयुक्त अरब अमीरात तक पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। आइए जानते हैं कि इस जंग ने कैसे तेल बाजार को हिला दिया है और अलग-अलग देशों में क्या हाल है।

अमेरिका में पेट्रोल (गैसोलीन) की कीमतें 4 डॉलर यानी करीब 380 प्रति गैलन के पार पहुंच गई हैं। पिछले 3 सालों में यह पहली बार है जब पेट्रोल इतना महंगा हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप

के नेतृत्व में ईरान पर हमलों के बाद कीमतों में 30% से ज्यादा की तेजी देखी गई है।

सिर्फ पेट्रोल ही नहीं, अमेरिका में डीजल की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। यहां डीजल 5 डॉलर प्रति गैलन (करीब 475) के स्तर को पार कर गया है। मिडिल ईस्ट में तनाव शुरू होने के बाद से डीजल की कीमतों में 40% से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

खाड़ी देशों में भी हालात खराब हैं। संयुक्त अरब अमीरात की फ्यूल प्राइस कमेटी ने 1 अप्रैल से नई कीमतें लागू करने का ऐलान किया है। यहां डीजल की कीमतों में 72% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है, जिससे दाम 2.72 दिरहम से बढ़कर 4.69 दिरहम (करीब 120 प्रति लीटर) पहुंच गए हैं। वअए में सुपर 98 पेट्रोल की कीमत 30% बढ़कर 3.39 दिरहम (करीब ?87 प्रति लीटर) हो गई है, जबकि स्पेशल 95 पेट्रोल का दाम 32% बढ़कर 3.28 दिरहम (करीब ?84 प्रति लीटर) पहुंच गया है। खाड़ी देशों में इस तेजी ने वैश्विक चिंता और बढ़ा दी है।

इस पूरी महंगाई की जड़ कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। कच्चा तेल की सप्लाई पर जंग का असर पड़ा है। ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड का दाम एक महीने में 48% बढ़कर 107.28 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जो आगे और महंगाई का संकेत दे रहा है।

ममता बनर्जी ने गिनाए देबरा के विकास कार्य

कोलकता, 31 मार्च। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देबरा स्थित बलिचक भजाहारी संस्थान मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए बताया कि कैसे बेहतर सुविधाओं, कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों की शुरूआत से इस क्षेत्र का कायापलट हो गया है। उन्होंने रेल मंत्रालय पर क्षेत्र में परियोजनाओं में देरी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्षों पहले स्वीकृत फ्लाईओवर और उससे संबंधित कार्य अभी तक पूरे नहीं हुए हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा, हमने राजीव बनर्जी को देबरा से टिकट दिया है। मेरे साथ श्रीकांत महतो और अजीत मैती हैं। वे क्रमशः सालबोनी और पिंगला से चुनाव लड़ रहे हैं। रेल मंत्रालय यहां फ्लाईओवर का निर्माण पूरा नहीं कर रहा है। यह मेरे कार्यकाल में स्वीकृत

हुआ था। अगर वे काम पूरा नहीं करेंगे, तो हम पुल के नीचे होने वाले अपने काम को कैसे पूरा कर पाएंगे? मैं संबंधित अधिकारियों से काम पूरा करने का आग्रह करती हूं।

उन्होंने बताया कि देबरा में हमने एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाई और आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण किया है। ममता ने कहा कि यहां एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाया गया है। देबरा में एक ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाई बनाई गई है। ग्रामीण अस्पताल में बाल देखभाल को प्राथमिकता दी गई है। हमने एक आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज भी बनाया है। हमने 120 से अधिक सड़कों का निर्माण और जीर्णोद्धार किया है। हमने पुल भी बनाए हैं।

नालंदा के शीतला मंदिर में भगदड़, 8 लोगों की मौत, कई श्रद्धालु घायल

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले में मंगलवार को एक दुखद घटना सामने आई, जहां शीतला मंदिर में पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से मची भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गई और इतने ही लोग घायल हो गए। यह घटना दीप नगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले मगरा गांव में घटी। त्रासदी की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी स्थानीय ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में मंदिर परिसर में भारी संख्या में लोग एकत्रित दिखाई दे रहे थे। पिछले साल, आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एकादशी के शुभ दिन पर भारी भीड़ जमा होने के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें नौ श्रद्धालु, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल थे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

निजीकरण का बोलबाला: सरकारी स्कूलों पर गहराता संकट

-डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की शिक्षा व्यवस्था आज एक गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। पिछले एक दशक में लगभग 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, जबकि इसी अवधि में 51 हजार से अधिक निजी स्कूल खुल गए हैं। यह स्थिति न केवल सरकारी शिक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है, बल्कि बढ़ते निजीकरण के कारण उत्पन्न सामाजिक असमानता को भी सामने लाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21अ के तहत प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह अधिकार धीरे-धीरे कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। 2014-15 से 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या 11,07,101 से घटकर 10,17,660 रह गई, यानी लगभग 89,441 स्कूल कम हो गए, जबकि निजी स्कूलों की संख्या 2,88,164 से बढ़कर 3,31,108 हो गई। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए चिंताजनक है, जहां गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच लगातार कठिन होती जा रही है।

सरकारी स्कूलों के संकट का एक प्रमुख कारण ह्लस्कूल मर्जर नीतिह्व है, जिसके तहत कम नामांकन वाले छोटे स्कूलों को बड़े स्कूलों में मिला

दिया जाता है। इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच कठिन हो गई है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हजारों स्कूल बंद हुए हैं, जो कुल बंदी का बड़ा हिस्सा हैं। इसके अलावा, शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और मिड-डे मील जैसी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन न होना भी नामांकन में गिरावट के प्रमुख कारण हैं। ठ३ङ्गल्लं' एङ्मिं३ङ्गल्ल ढङ्क्ष्८ 2020 के कुछ प्रावधान, जैसे एकल शिक्षक स्कूलों को हतोत्साहित करना, भी इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों में नामांकन में भारी कमी आई है, जबकि निजी स्कूलों में छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। गरीब परिवारों के बच्चे अब मजबूरन निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन ऊंची फीस उनके लिए एक बड़ी बाधा बन जाती है।

निजी स्कूलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है और शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। हालांकि यह वृद्धि कई चिंताएं भी पैदा करती है। निजी स्कूलों में फीस में भारी वृद्धि देखी जा रही है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। शिक्षा का यह बढ़ता निजीकरण उसे एक सामाजिक सेवा से अधिक एक व्यापार में बदलता जा रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत 25 प्रतिशत सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित हैं, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी हो रही है। एक ओर संपन्न वर्ग बेहतर संसाधनों और सुविधाओं वाले निजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करता है, वहीं दूसरी ओर गरीब वर्ग सीमित संसाधनों वाले सरकारी स्कूलों तक ही सीमित रह जाता है।

इस असंतुलन का सीधा प्रभाव ड्रॉपआउट दर पर भी पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरियों की है। इसके पीछे गरीबी, बाल श्रम, परिवार का प्रवास, स्कूलों की दूरी और सुरक्षा की कमी जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाता है। जब परिवार निजी स्कूलों की फीस वहन नहीं कर पाते और आसपास सरकारी स्कूल उपलब्ध नहीं होते, तो बच्चों का शिक्षा से बाहर होना लगभग तय हो जाता है। यह स्थिति आने वाले समय में बेरोजगारी और सामाजिक असमानता को और अधिक बढ़ा सकती है।

शिक्षा का निजीकरण केवल एक शैक्षिक समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहराता है। जब सभी वर्गों को समान शिक्षा के अवसर नहीं मिलते, तो समाज में अवसरों का असंतुलन बढ़ता जाता है। भारत में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 3 प्रतिशत ही खर्च किया जाता है, जबकि इसे 6 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य अभी भी अधूरा है। इसका प्रभाव महिलाओं के सशक्तिकरण, रोजगार के अवसरों और देश के समग्र आर्थिक विकास पर पड़ता है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो यह लोकतंत्र के लिए भी खतरा बन सकती है, क्योंकि एक शिक्षित समाज ही जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करता है। इस संकट से निपटने के लिए सरकार को ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे। स्कूल मर्जर नीति पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे स्कूलों को संरक्षित किया जाना चाहिए। रिक्त शिक्षक पदों को शीघ्र भरा जाए और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं जैसे शौचालय, स्वच्छ पेयजल और डिजिटल संसाधन सुनिश्चित किए जाएं। मिड-डे मील योजना की गुणवत्ता में सुधार किया जाए और निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण तथा निगरानी बढ़ाई जाए। शिक्षा का अधिकार कानून के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए और शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर इसे सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए।

निष्कर्षतः, निजीकरण का बढ़ता प्रभाव सरकारी स्कूलों के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। सरकारी स्कूलों की घटती संख्या और निजी स्कूलों की बढ़ती संख्या यह संकेत देती है कि शिक्षा धीरे-धीरे एक मौलिक अधिकार से हटकर एक व्यापार का रूप लेती जा रही है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब और वंचित वर्गों पर पड़ रहा है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह असमानता समाज को गहराई तक प्रभावित करेगी। शिक्षा को बाजार की वस्तु नहीं, बल्कि सामाजिक विकास का आधार मानते हुए इसे मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य इसी पर निर्भर करता है।

बढ़ता जा रहा है किडनी खरीद फरोक्त का धंदा, कानपुर में 60 लाख में हुई किडनी की डील

अशोक भाटिया

कानपुर में किडनी रैकेट मामले हाल ही में अखबारों की सुर्खिया बनी है । हालिया कांड में जिन तीन प्राइवेट अस्पतालों का नाम सामने आ रहा है, उनमें से एक के पास रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। पूरा अस्पताल ही अवैध तरीके से संचालित हो रहा है। इसकी जानकारी खुद स्वास्थ्य विभाग को तब हुई जब मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पुलिस की टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंची। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मामले में 50 से ज्यादा अस्पताल रडार पर हैं जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से देर रात तक जांच में जुटी रही।

बताया जाता है कि सोमवार को पुलिस की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग से एसीएमओ डॉ। रमित रस्तोगी और कल्याणपुर सीएचसी प्रभारी डॉ। राजेश सिंह व टीम के अन्य अधिकारियों ने तीनों अस्पतालों का निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले कई वरिष्ठ डॉक्टरों से भी पूछताछ की जा रही है, कुछ चिकित्सक कई बड़ी संस्थाओं से भी जुड़े हैं। एसीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और पुलिस ऐसे डॉक्टरों की भी तलाश कर रही हैं जो सर्जन या नेफ्रोलॉजिस्ट हैं। सूत्रों के अनुसार मामले में जिन अस्पतालों के नाम सामने आ रहे हैं, उनके यहां छोटे ऑपरेशन की भी सुविधा नहीं है। इन अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए बाहर से डॉक्टर बुलाए जाते हैं। चिकित्साधिकारियों के अनुसार ऐसे डॉक्टरों से भी पूछताछ की जाएगी।

कानपुर के बड़े किडनी रैकेट का भंडाफोड़ होने के बाद एक बार फिर किडनी की खरीद-फरोख्त और अंग प्रत्यारोपण की व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने लगे हैं। डाक्टर कहते हैं कि देश में किडनी के मरीजों की संख्या अधिक और अंगदान कम होने के कारण किडनी खरीद-फरोख्त का रैकेट चल रहा है। इसको लेकर कड़े कानून होने के बावजूद पहले की तुलना में अब अधिक रकम पर किडनी की खरीद-बिक्री होती है। लिहाजा डाक्टर कैडेवर डोनर (ब्रेन डेड होने के बाद अंगदान) किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा बढ़ाने की जरूरत बता रहे हैं।

एम्स के नेफ्रोलाजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा। एसके अग्रवाल ने कहा कि इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में किडनी रैकेट के मामले सामने आते रहते हैं। इसका कारण यह है कि करीब चार लाख मरीजों को किडनी प्रत्यारोपण की जरूरत है, जबकि हर साल सिर्फ करीब दस हजार मरीजों की ही किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी हो पाती है। इसमें भी कैडेवर डोनर प्रत्यारोपण बहुत कम होता है। इसका कारण यह है कि डोनर उपलब्ध नहीं हो पाते। जीवित व्यक्ति के किडनी दान करने के लिए भी स्वस्थ होना जरूरी है। ज्यादातर मरीजों के बुजुर्ग माता-पिता स्वास्थ्य कारणों से किडनी दान नहीं कर पाते। भाई-बहन और परिवार के अन्य सदस्य जल्दी किडनी दान नहीं करना चाहते। पुरुष मरीजों को ज्यादातर पत्नियां ही किडनी देती हैं।

मरीज महिला हो तो डोनर की समस्या और बढ़ जाती है। इस वजह से डोनर मिलना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में किसी गैर व्यक्ति या महिला को रिश्तेदार या पत्नी बताकर डोनर के रूप में लाया जाता है। इसका सत्यापन करना बेहद मुश्किल होता है, क्योंकि फर्जी पहचान पत्र भी आसानी से बन जाते हैं। इस रैकेट से मरीज की भी पूरी मिलीभगत होती है। डाक्टर बताते हैं कि देश में सड़क हादसे में हर साल लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है। इनमें से ज्यादातर लोगों का अंगदान संभव हो सकता है। लेकिन, जागरूकता के अभाव में अंगदान बहुत कम होता है।

स्थिति यह है कि एक लाख की आबादी पर भारत में एक व्यक्ति भी यहां अंगदान नहीं करता, जबकि स्पेन में एक लाख की आबादी में 48 लोग अंगदान करते हैं। डाक्टर बताते हैं कि कभी एक से दो लाख रुपये में किडनी बिकती थी, जबकि आज एक आम मरीज भी 20 से 25 लाख रुपये तक देने के लिए तैयार रहता है। हालांकि, इस रैकेट में गिरफ्तार आरोपित ने खुद कुबूल किया है कि वे मरीजों से प्रति किडनी 40 से 70 लाख रुपये तक वसूलते थे। दुर्भाग्य की बात यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर कई परिवार के लोग भी पैसे के लिए किडनी बेचने के लिए राजी हो जाते हैं।

राम मनोहर लोहिया अस्पताल के यूरोलाजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा। राजीव सूद के अनुसार किडनी रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। साथ ही सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों का अंगदान बढ़ाना जरूरी है। अभी अंगदान के लिए लोगों में जागरूकता का अभाव है। इसलिए बहुत कम लोग अंगदान करते हैं। स्पेन में अंगदान अनिवार्य है। इस तरह कानून यहां भी होना चाहिए।

हाल की एक घटना के अनुसार बाईस वर्षीय अमोन किप्रुटो मेली ने सोचा था कि अपनी किडनी बेचकर वह एक नई और बेहतर जिंदगी शुरू कर सकेगा। कोविड महामारी के बाद पश्चिमी केन्या के एक गांव में उसका जीवन कठिन हो गया था। वह स्थिर आय कमाने के लिए संघर्ष कर रहा था और एक नौकरी से दूसरी नौकरी बदलता रहा - कभी कार डीलर पर, कभी निर्माण स्थल पर, कभी अन्य जगहों पर।

फिर एक दिन, एक दोस्त ने उसे 6,000 डॉलर (5,300 यूरो) कमाने का एक आसान और तेज तरीका बताया। एमोन ने कहा, ॥उसने मुझसे कहा कि अपनी किडनी बेचना एक अच्छा सौदा होगा।॥ यह किस्मत का एक अच्छा मौका लगा, लेकिन इसने उसे शोषण, हताशा और पछतावे के एक अंधेरे जाल में फंसा दिया।यह रिपोर्ट जर्मन मीडिया आउटलेट्स डेर स्पीगल , जेडडीएफ और डीडब्ल्यू द्वारा महीनों तक चले एक संयुक्त जांच का परिणाम है , जिन्होंने मिलकर अंग विक्रेताओं और खरीदारों के रास्तों का पता लगाया, दस्तावेजों का विश्लेषण किया, मुखबिरों और चिकित्सा पेशेवरों से बात की, और यह उजागर किया कि कैसे एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क - केन्या के एक अस्पताल से लेकर जर्मनी से अंग प्राप्तकर्ताओं को आकर्षित करने वाली एक गुप्त एजेंसी तक फैला हुआ - दोनों छोर पर कमजोर लोगों का शोषण करता है: पैसे के लिए बेताब युवा और जीवन रक्षक अंग के लिए बेताब बुजुर्ग।

पश्चिमी केन्या में अपने घर में अमोन किप्रुटो मेली और उनकी मां लेआ मेट्टो अमोन जैसे छोटे बच्चों के माध्यम से पैसा कमा रहे हैं। बताया जाता है कि अमोन किप्रुटो मेली की मुलाकात एक बिचौलिए से हुई जिसने पश्चिमी केन्या के एल्डोरेट शहर में स्थित मेडिहील अस्पताल तक परिवहन की व्यवस्था की। अमोन का कहना है कि वहां उनका स्वागत भारतीय डॉक्टरों ने किया जिन्होंने उन्हें अंग्रेजी में दस्तावेज सौंपे, जो भाषा उन्हें समझ में नहीं आती थी।उन्होंने बताया कि उन्हें किसी भी स्वास्थ्य जोखिम के बारे में सूचित नहीं किया गया था। ॥उन्होंने मुझे कुछ भी नहीं समझाया। मुझे ले जाने वाले व्यक्ति ने हमारे आसपास के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा: देखो, इन सभी ने दान दिया है, और ये काम पर भी वापस जा रहे हैं।॥ऑपरेशन के बाद, उसे वादे के मुताबिक 6,000 डॉलर के बजाय सिर्फ 4,000 डॉलर ही मिले। इससे उसने एक फोन और एक कार खरीदी जो जल्दी ही खराब हो गई। कुछ समय बाद, उसकी सेहत बिगड़ गई। उसे चक्कर आने लगे, कमजोरी महसूस होने लगी और आखिरकार वह घर पर बेहोश हो गया। अस्पताल में, उसकी मां, लिआ मेट्टो, यह जानकर हैरान रह गईं कि उनके बेटे ने अपनी किडनी बेच दी थी। उन्होंने कहा, ॥वे अमोन जैसे नादान बच्चों का इस्तेमाल करके पैसा कमा रहे हैं।

अमोन की कहानी ऐसी कई कहानियों में से एक लगती है। नैरोबी स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी स्टडीज इन अफ्रीका के संगठित अपराध शोधकर्ता विलिस ओकुमु ने कई युवकों से बात की है जिन्होंने उन्हें बताया कि उन्होंने एल्डोरेट से 180 किलोमीटर (112 मील) दक्षिण-पश्चिम में स्थित ओयुगिस कस्बे में अपने गुर्दे बेचे थे। उन्होंने कहा, ॥यह सचमुच संगठित अपराध है।॥ ओकुमु का अनुमान है कि अकेले ओयुगिस में ही लगभग सौ युवकों ने अपने गुर्दे बेचे होंगे, जिनमें से कई स्वास्थ्य समस्याओं के साथ-साथ अवसाद और मानसिक आघात से भी पीड़ित हैं। ओकुमु ने आगे कहा, ॥मुझे नहीं लगता कि वे 60 साल की उम्र तक पहुंच पाएंगे।॥ इस विषय पर उनका अपना शोध जनवरी में इंटरपोल द्वारा कार्यान्वित एक परियोजना, एनैक्ट में प्रकाशित हुआ था।

शोधकर्ता विलिस ओकुम के अनुसार ह्य मुझे नहीं लगता कि वे 60 तक पहुंच पाएंगे। वास्तव में यह संगठित अपराध है।॥डीडब्ल्यू ने ओयुगिस के चार युवकों से बात की, जिन्होंनेबताया कि उन्होंने अपने गुर्दे मात्र 2,000 डॉलर में बेच दिए। उन्होंने बताया कि एल्डोरेट के मेडिहील अस्पताल में सर्जरी के बाद, दलालों ने उनसे प्रत्येक को 400 डॉलर कमीशन देकर नए दाता भर्ती करने को कहा।

केन्याई कानून के अनुसार , रिश्तेदारों को या परोपकारी कारणों से अंगदान करना अनुमत है । नाम न छापने की शर्त पर डीडब्ल्यू से बात करते हुए, मेडिहील अस्पताल के एक पूर्व कर्मचारी ने खुलासा किया कि प्रत्यारोपण की खरीद-फरोख्त कई साल पहले शुरू हुई थी। शुरूआत में, प्राप्तकर्ता सोमालिया से आते थे और दाता केन्या से। लेकिन फिर, 2022 में, प्राप्तकर्ता इजराइल से आने लगे और 2024 से जर्मनी से भी आने लगे। इन ग्राहकों के लिए, जो अच्छी कीमत देते हैं, दाताओं को अजरबैजान, कजाकिस्तान या पाकिस्तान जैसे देशों से हवाई जहाज से लाया जाता है।

एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन ने दिखाया नए भारत का जीवंत मॉडल

-सुरेश गांधी

विश्वनाथ से महाकाल तक जुड़ी विरासत, निवेश से लेकर नवाचार तक की साझेदारी

काशी केवल एक नगर नहीं है, यह भारत की आत्मा का स्पंदन है, समय की धड़कन है और सनातन चेतना का वह शाश्वत केंद्र है, जहां अतीत, वर्तमान और भविष्य एक साथ संवाद करते हैं। इसी काशी की धरती पर जब मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने विकास, निवेश और सांस्कृतिक साझेदारी का नया अध्याय लिखने का संकल्प लिया, तो यह एक साधारण प्रशासनिक आयोजन नहीं रहा; यह उस भारत का उद्घोष बन गया, जो अपनी जड़ों से शक्ति लेकर भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है।

एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 का महत्व केवल घोषणाओं या समझौतों में नहीं, बल्कि उस विचार में निहित है जो इसके केंद्र में है, सहयोग बनाम प्रतिस्पर्धा। लंबे समय तक भारतीय संघीय ढांचे में राज्यों के बीच विकास की दौड़ प्रतिस्पर्धा के रूप में देखी जाती रही, लेकिन काशी से उठी यह पहल इस धारणा को बदलती दिखाई देती है। यह बताती है कि जब दो राज्य अपनी विरासत, संसाधन और संभावनाओं को साझा करते हैं, तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह कथन कि ह्लउत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहे हैंह्व केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक सत्य का पुनर्स्मरण है। यह वही भूभाग है जहां राम की पदचाप गूंजी, जहां कृष्ण की लीलाएं फली-फूलीं, जहां तुलसीदास ने अपनी रचनाओं से समाज को दिशा दी और जहां गंगा-यमुना-चंबल की धाराएं भारतीय संस्कृति को सींचती रहीं।

काशी और उज्जैन, दोनों नगर केवल भौगोलिक इकाइयां नहीं, बल्कि भारतीय आस्था के दो ध्रुव हैं। एक ओर काशी विश्वनाथ, जहां मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है; दूसरी ओर महाकाल, जहां समय स्वयं नतमस्तक होता है। इन दोनों के बीच हुआ ट्रस्ट-स्तरीय समझौता केवल प्रशासनिक सहयोग नहीं, बल्कि उस आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है, जो भारत की सांस्कृतिक पहचान की आधारशिला है। यह समझौता धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत कर सकता है। आज के समय में तीर्थ केवल आस्था का विषय नहीं रह गया है; वह अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। जब लाखों

श्रद्धालु काशी और उज्जैन जैसे स्थलों की यात्रा करते हैं, तो उससे जुड़े होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और स्थानीय बाजारों को व्यापक लाभ मिलता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो यह पहल आस्था आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का एक दूरदर्शी कदम है।

इसी क्रम में ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) को लेकर दोनों राज्यों के बीच हुआ समझौता विशेष महत्व रखता है। यह योजना केवल

काशी से उठी विकास की ध्वनि : आस्था, अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत का नया संकल्प. काशी की प्राचीन गलियों में जब विकास की नई ध्वनि गूंजती है, तो वह केवल घोषणाओं का शोर नहीं, बल्कि बदलते भारत की दिशा का संकेत होती है। एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 इसी परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा, जहां आस्था और अर्थव्यवस्था ने एक साथ कदम बढ़ाए। एक ओर काशी विश्वनाथ और महाकाल की आध्यात्मिक कड़ी जुड़ी, तो दूसरी ओर 1 में जमीन, 2000 मेगावॉट सोलर प्रोजेक्ट, ओडीओपी समझौता और 284 करोड़ के यूनिटी मॉल जैसे ठोस फैसलों ने विकास का नया खाका प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन बताता है कि अब राज्य प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। काशी से उठी यह पहल केवल दो राज्यों तक सीमित नहीं, बल्कि उस भारत की झलक है, जो अपनी विरासत से शक्ति लेकर भविष्य की अर्थव्यवस्था को गढ़ रहा है।

उत्पादों को बढ़ावा देने की नीति नहीं, बल्कि स्थानीयता को वैश्विकता से जोड़ने का सेतु है। उत्तर प्रदेश की बनारसी साड़ी, गुलाबी मीनाकारी या लकड़ी के शिल्प हों, अथवा मध्य प्रदेश की महेश्वरी साड़ियां, चंदेरी वस्त्र और बांस शिल्पकृये सभी भारत की सांस्कृतिक विविधता और आर्थिक क्षमता के प्रतीक हैं।

उज्जैन में 284 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यूनिटी मॉल इस दिशा में एक ठोस कदम है। यह केवल एक व्यापारिक केंद्र नहीं होगा, बल्कि भारत की लोक परंपराओं, कारीगरों की मेहनत और क्षेत्रीय पहचान का जीवंत संग्रहालय भी होगा। जब देशभर के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे, तो यह वोकल फॉर लोकल के विचार को वास्तविक रूप देगा।

निवेश के क्षेत्र में भी सम्मेलन ने एक नई दृष्टि प्रस्तुत की है। ?1 की लीज पर 30 एकड़ जमीन देने का निर्णय केवल एक प्रोत्साहन योजना नहीं, बल्कि यह संकेत है कि राज्य सरकारें अब निवेशकों के साथ साझेदार की भूमिका निभाने को तैयार हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देना, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को सरल बनाना और अनुदान की व्यवस्था करनाकृये सभी कदम उस व्यापक सोच का हिस्सा हैं, जिसमें विकास का केंद्र मानव संसाधन है।

ऊर्जा और जल प्रबंधन जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी इस सम्मेलन ने ठोस दिशा दिखाई है। मुरैना में प्रस्तावित 2000 मेगावॉट का सोलर प्रोजेक्ट केवल ऊर्जा उत्पादन की योजना नहीं, बल्कि हरित भविष्य की ओर एक निर्णायक कदम है। यह परियोजना न केवल किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराएगी, बल्कि औद्योगिक विकास के लिए भी स्थिर आधार प्रदान करेगी।

इसी तरह केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है। यह क्षेत्र लंबे समय से जल संकट और सूखे की मार झेलता रहा है। यदि यह परियोजना अपने उद्देश्य के अनुरूप क्रियान्वित होती है, तो यह केवल सिंचाई और पेयजल की समस्या का समाधान नहीं करेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र की आर्थिक संरचना को बदल सकती है।

इस पूरे विमर्श में एक और महत्वपूर्ण पहलू हैकृसुरक्षा और स्थिरता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मध्य प्रदेश के नक्सल मुक्त होने की घोषणा केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि विकास के लिए आवश्यक आधारशिला है। जब किसी राज्य में सुरक्षा का वातावरण मजबूत होता है, तभी निवेशक विश्वास के साथ आगे आते हैं। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मॉडल का उल्लेख भी इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण रहा। 96 लाख इकाइयों के माध्यम से 3 करोड़ लोगों को रोजगार देने वाला यह मॉडल इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और नीयत स्पष्ट हो, तो स्थानीय उद्योगों के माध्यम से व्यापक आर्थिक परिवर्तन संभव है।

पर्यटन के क्षेत्र में ह्यपीएमश्री पर्यटन वायु सेवाह्व और ह्यहेली पर्यटन सेवाह्व जैसी पहलें यह दर्शाती हैं कि अब विकास केवल पारंपरिक ढांचे तक सीमित नहीं है। आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के माध्यम से दूरस्थ स्थलों को जोड़ना, निवेश को आकर्षित करना और पर्यटकों को बेहतर अनुभव देनाकृये सभी उस नए भारत की पहचान हैं, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। लेकिन इन सभी योजनाओं और घोषणाओं के बीच सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैकृसाझा दृष्टि। जब दो राज्य मिलकर एक साझा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो वह केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं रहती, बल्कि एक आंदोलन बन जाती है।

काशी में आयोजित यह सम्मेलन इसी आंदोलन की शुरूआत है। यह उस भारत का संकेत है, जहां विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता हैकृजहां आस्था और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे के पूरक हैं, जहां परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चलती हैं, और जहां सहयोग ही प्रगति का सबसे बड़ा माध्यम बनता है। अंततः, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि काशी से उठी यह ध्वनि केवल दो राज्यों तक सीमित नहीं है। यह पूरे भारत के लिए एक संदेश हैकृकि यदि हम अपनी विरासत को संजोते हुए, अपनी नीतियों को समन्वित करते हुए और अपने प्रयासों को साझा करते हुए आगे बढ़ें, तो विकास की कोई सीमा नहीं है। यही काशी का संदेश है, यही इस सम्मेलन का सार हैकृऔर यही उस भारत की पहचान है, जो अपनी जड़ों में गहराई से जुड़ा है, लेकिन दृष्टि में आकाश की ऊंचाइयों को छूने का साहस रखता है।

अमेरिका का टूटा अभिमान, माने हार नही इरान, दुनियाँ युद्ध से हुई परेशान, विश्वगुरु भारत मेरा महान

-विक्रम दयाल

आज की दुनिया में जहाँ शक्ति और प्रभुत्व की बात होती है, वहाँ अमेरिका और इरान के बीच का तनाव एक बड़ा मुद्दा बन गया है। अमेरिका ने अपने शक्ति के बल पर इरान पर कई प्रतिबंध लगाए, लेकिन इरान ने हार नही माना उसने अपनी स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता के लिए संघर्ष जारी रखा। इस तनाव ने दुनिया को युद्ध की ओर धकेल दिया, जिससे पूरी दुनिया परेशान हो गई है। ऐसे में, भारत एकमात्र

ऐसे देश के रूप में उभरा है जो शांति और सद्भावना का प्रतीक है। भारत ने हमेशा से ही विश्व शांति और सहयोग की बात की है, और आज वह विश्वगुरु के रूप में जाना जाता है। भारत की महानता उसकी संस्कृत, उसके इतिहास, और उसकी विविधता में है। भारत ने दुनिया को शून्य कि अवधारणा दी, उसने दुनिया को योग और आयुर्वेद की शिक्षा दी। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि शक्ति और प्रभुत्व से ज्यादा महत्वपूर्ण है शांति और सद्भावना। भारत की इस महानता को देखते हुए दुनिया के कई देश भारत की ओर देख रहे हैं। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि कैसे एक देश अपनी संस्कृत और मूल्यों को बनाये रखते हुए भी विश्व शांति और सहयोग के लिए. काम कर सकता है। आज भारत एक उभरती हुई शक्ति है, जो दुनिया को एक नई दिशा की ओर ले जा रही है। भारत की इस यात्रा में, हमें अपने देश की महानता को याद रखना होगा, और विश्व शांति और सहयोग के लिए काम करना होगा।

*अमेरिका इरान को क्यों परेशान कर रहा है, क्या उसपर कब्जा करना चाहता है? ङ्क.अमरीका और इरान के बीच तनाव का इतिहास काफी पुराना है ।अमेरिका इरान को परेशान करने और उसपर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है, इसके पीछे कई कारण हैं। जैसेः- परमाणु हथियारः इरान के परमाणु कार्यक्रम को अमेरिका एक बड़ा खतरा मानता है। अमेरिका चाहता है कि इरान अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करदे। प्रभाव क्षेत्रः इरान मध्य पूर्व में अमेरिका के प्रभाव को चुनौती दे रहा है। अमेरिका इरान को अपने प्रभाव क्षेत्र मृं एक बड़ा खतरा मानता है। तेल संसाधनः इरान एक बड़ा तेल उत्पादक देश है, और अमेरिका इरान के तेल संसाधनों पर नियंत्रण करना चाहता है। इजरायल की सुरक्षाः अमेरिका इजरायल का एक बड़ा समर्थक है, और इरान इजरायल के लिए एक बड़ा खतरा है। अमेरिका इरान को इजरायल के लिए खतरा मानता है और उसे कमजोर करना चाहता है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है की अमेरिका का इरान पर हमला करना एक अच्छा विचार नही है, क्योंकि इससे इरान की सरकार और मजबूत हो सकती है और क्षेत्रिय अस्थिरता बढ़ सकती है। अब सवाल उठता है कि *क्या अमेरिका को इरान से संबंध सुधारना चाहिए?:- अमेरिका और इरान के बीच संबंधों को सुधारने के लिए कई तरीके हो सकते हैंः वार्ताः अमेरिका और इरान को सीधे वार्ता में बैठना चाहिए और अपने मतभेदों को हल करने की कोशिश करनी चाहिए । परमाणु समझौताः अमेरिका और इरान को परमाणु समझौते पर फिर से बातचीत करनी चाहिए और एक नये समझौते पर पहुँचना चाहिए। आर्थिक प्रतिबंध हटानाः अमेरिका को इरान पर लगाये गये आर्थिक प्रतिबंधों को हटाना चाहिए, जिससे इरान की अर्थव्यवस्था सुधारने नें मदत मिल सके। सहयोग बढ़ानाः अमेरिका और इरान को आतंकवाद और ड्रग्स की तस्करी जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए। क्षेत्रीय सहयोगः अमेरिका और इरान को क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए, जैसे कि अफगानिस्तान और इरान में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना। मगर स्थिति यह है कि अमेरिका दुनिया में एक बड़ी शक्ति के रूप में बना रहना चाहता है, और किसी दूसरे को शक्तिशाली नही देखना चाहता, क्या कारण है?:- अमेरिका की यह नीति उसके राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा चिंताओं से जुड़ी हुई है। अमेरिका दुनिया मैं एक बड़ी शक्ति के रूप में बना रहना चाहता है, इसके पीछे कई कारण हैः 1) सुरक्षाः अमेरिका अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना चाहता है। वह नही चाहता कि कोई अन्य देश उसकी शक्ति को चुनौती दे। आर्थिक हितः अमेरिका एक बड़ा आर्थिक शक्ति है, और वह अपने आर्थिक हितों कि रक्षा करना चाहता है। वह यह नही चाहता कि कोई अन्य देश उसकी आर्थिक शक्ति को चुनौती दे। प्रभाव क्षेत्रः अमेरिका दुनिया मैं अपना प्रभाव क्षेत्र बनाये रखना चाहता है। वह यह नही चाहता कि कोई अन्य देश उसके प्रभाव क्षेत्र मैं हस्तक्षेप करे। नैतिक जिम्मेदारीः अमेरिका अपनी नैतिक जिम्मेदारी मानता है कि वह दुनिया में शांति स्थिरता को बनाये रखे। वह नही चाहता कि कोई अन्य देश उसकी इस जिम्मेदारी को चुनौती दे। अमेरिका की यह नीति कई बार अन्य देशों के साथ तनाव का कारण बनती है, लेकिन अमेरिका का मानना है कि यह उसकी राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। *अगर कोई देश अपने को मजबूत और शक्तिशाली बना रहना चाहते हें तो अमेरिका को तकलीफ क्यों होती हैः- सभी देश अपने को मजबूत और शक्तिशाली बना रहना चाहते हैं , और यह सभी की स्वाभाविक इच्छा है। अमेरिका को तकलीफ होने का कारण यह कि वह अपनी शक्ति और प्रभाव को बनाये रखना चाहता है, और उसे लगता है कि अन्य देशों की बढती शक्ति उसकी शक्ति को चुनौती दे सकती है। अमेरिका की यह चिंता किसी हद तक समझने योग्य है, लेकिन यह भी सच है कि अन्य देशों को भी अपनी शक्ति और विकास का अधिकार है। अमेरिका को यह समझना होगा की दुनिया एक बहुध्रुवीय जगह है, और सभी देशों को अपनी शक्ति और विकास का अधिकार है। अमेरिका को यह समझना होगा कि शक्ति और प्रभाव को बनाये रखने के लिए उसे अन्य देशों के साथ सहयोग करना होगा, न कि उनके ऊपर दबाव डालना होगा। अमेरिका को अपनी नीति मैं बदलाव करना होगा और अधिक सहयोगी और संवादशील बनना होगा। अमेरिका को अपने सहयोगियों के साथ मिलकर एक नए विश्व व्यवस्था को बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

चिचंणी परिसर में गर्मी में राहत देने हेतु शीतल पेयजल स्टॉल का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। गर्मी के दिनों में स्थानीय नागरिकों को राहत देने के लिए पुलिस स्टेशन व श्री राम मंदिर महाआरती समुह द्वारा चिचंणी परिसर में चार पाणपोई की शुरूआत की गई। इस उद्घाटन समारोह में डी.वाय.एस.पी. विकास नाईक, वाणगाव पुलिस स्टेशन के प्रभारी तुषार पाचपुते, महाराज निवृत्ति जोशी, प्रसाद वझे, प्रदीप गायकवाड, श्याम मोदले, हर्षल ओझा, राकेश फुले, प्रकाश भाऊ, प्रतिक राऊत व अन्य सम्मानित नागरिक उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि पिछले दो सालों से इन पाणपोई का संचालन निवृत्ति जोशी महाराज व प्रभारी पुलिस अधिकारी तुषार पाचपुते के नेतृत्व में किया जा रहा है। इनके प्रयासों से आज क्षेत्रवासियों को शुद्ध एवं ठंडा पानी मिल रहा है, जिससे गर्मी में काफी राहत मिल रही है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए पुलिस स्टेशन और श्री राम मंदिर महाआरती समुह के प्रति आभार व्यक्त किया है। कार्यक्रम दौरान उपस्थित सभी प्रमुख अधिकारियों ने पाणपोई के उद्घाटन के महत्व को बताया और इसके माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

भिवंडी में महावीर जयंती के अवसर पर जैन महासंघ द्वारा भव्य शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अहिंसा का संदेश देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर भिवंडी शहर में भव्य और श्रद्धापूर्ण माहौल में शोभायात्रा निकाली गई। इस आयोजन का नेतृत्व समस्त भिवंडी जैन महासंघ द्वारा किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में महिला-पुरुष, बुजुर्ग, युवक-युवतियां और छोटे बच्चे शामिल हुए। शोभा यात्रा छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से प्रारंभ होकर मंडई, गौरीपाड़ा, कणेरी, धामणकर नाका होते हुए अंजूर फाटा तक निकाली गई, जहां इसका समापन हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालु अनुशासन और भक्ति के साथ शामिल रहे। इस दौरान सामाजिक सद्भाव, अहिंसा, पर्यावरण संरक्षण और शाकाहार के संदेश देने वाली आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर मान्यवरों द्वारा स्वागत किया गया वहीं नारपोली स्थित भिवंडी महापौर नारायण चौधरी, नगरसेवक निलेश चौधरी, हनुमान चौधरी आदि लोगों ने जैन मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त किया। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ा बंदोबस्त भी किया गया था।

मीरा रोड में महिला की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर। 25 मार्च 2026 को काशीमीरा, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे निवासी शिकायतकर्ता सागर सुनील कांबले की मां सुमन कांबले शाम करीब 7 बजे चंद्रेश एकॉर्ड बिल्डिंग, सिल्वर पार्क स्थित एक घर में काम करने गई थीं। वहीं घर के मालिक गौरव मेश्राम का भाई आशीष मेश्राम उनसे जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा था, जिसका उन्होंने विरोध किया। बताया गया है कि पहले भी इस बात को लेकर विवाद हुआ था और शिकायतकर्ता ने आरोपी को फटकार लगाई थी। इसी रंजिश में आरोपी आशीष मेश्राम ने सुमन कांबले पर चाकू जैसे धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी। इस मामले में मीरा रोड पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 105/2026, भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर क्राइम डिटेक्शन यूनिट एक काशीमीरा ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। जांच में पता चला कि आरोपी घटना के बाद मुंबई से फरार होकर पहले हैदराबाद और फिर विशाखापट्टनम भाग गया। पुलिस टीम ने लगातार पीछा करते हुए 27 मार्च 2026 को विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के बाहर बस स्टॉप से उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की अपराध में संलिप्तता स्पष्ट होने पर उसे आगे की जांच के लिए मीरा रोड पुलिस के हवाले कर दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अपर पुलिस आयुक्त दत्तात्रय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (क्राइम) संदीप डोईफोडे और सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में क्राइम डिटेक्शन यूनिट एक की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

हर छात्र को मार्शल आर्ट्स सीखना चाहिए: अक्षय कुमार

मुंबई/पटना। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के ताजा एपिसोड में होस्ट अक्षय कुमार ने कंटेस्टेंट्स लेखा, मधुर और हितवचन के साथ जोशीली बातचीत की। इस एनर्जेटिक एक्सचेंज ने शो में नई चमक भर दी और एपिसोड को उत्साह और प्रेरणा से सराबोर कर दिया।

बातचीत के दौरान लेखा ने बताया कि वह मार्शल आर्ट्स में ट्रेनिंग ले चुकी हैं और बॉक्सिंग भी सीख रही हैं। यह सुनकर अक्षय कुमार ने उनकी लगन और फिटनेस के प्रति समर्पण की जमकर तारीफ की। उन्होंने इस मौके का इस्तेमाल करते हुए सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग की अहमियत पर जोर दिया।

लेखा की मेहनत की सराहना करते हुए अक्षय ने कहा, आपने मार्शल आर्ट्स सीखा है, आप बॉक्सिंग सीख रही हैं, आपके पास डिसिप्लिन है। देखिए ये सब जो चीजें हैं ना, मैं कई बार बोलता हूँ कि हमारे देश में एक कम्पल्सरी रूल आ जाए, हर स्टूडेंट को मार्शल आर्ट्स सीखना चाहिए। मुझे अच्छा लगता है जब कोई कहता है कि वो सेल्फ-डिफेंस सीख रहे हैं।

राऊत परिवार, पास्थल का तीसरा स्नेह सम्मेलन उत्साह पूर्वक सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। दो सौ साल पुरानी ऐतिहासिक व समृद्ध परंपरा से सुसज्जित पास्थल गाँव के शिणवार व रामा के राऊत परिवार का तीसरा स्नेहसम्मेलन भास्कर पार्क, कुडण में 29 मार्च 2026 को बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। स्वर्गीय शिणवार दामा राऊत के पोते, चौथी पीढ़ी के रमेश परशुराम राऊत (पूर्व शिक्षक, पूर्व सरपंच और प्रशासक) और बड़ी संख्या में परिवारजन इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत अध्यक्ष रमेश राऊत, अर्थशास्त्री डॉ. राघवेंद्र राऊत, कुणबी समाजोन्नति संघ के मनोज घरत तथा वरिष्ठ सदस्य चिंतामण राऊत व हेमंत राऊत के हाथों दीपप्रज्वलन करके की गई। महिलाओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरूआत को मंगलमय बनाया, जबकि दिवंगत परिजनों की पुण्यस्मृति चित्रों के माध्यम से की गई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से सिद्ध राऊत, नुपूर राऊत और

हार्दिक राऊत ने परिवार की दूसरी व तीसरी पीढ़ी के लोगों के जीवंत चलचित्र प्रस्तुत किये। जितेश राऊत ने परिवार का लोगो व स्मृतिचिन्ह डिजाइन किया। डॉ. बाबुलनाथ राऊत ने उपस्थितों का स्वागत किया। शशिकांत राऊत ने परिचयात्मक भाषण में सात पीढ़ियों की वंशावली प्रस्तुत की और परिवार सम्मलेन के महत्व को रेखांकित किया। 2002 में पहले सम्मेलन से शुरू हुई इस परंपरा को परिवार के मूल्य, संस्कार और एकता को बनाये रखते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर बाल सम्मेलन, व्याख्यानमाला, गुणगौरव समारोह और अन्य कई कार्यक्रमों के क्षणचित्रों को चित्रफिल्म के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। परिवार के शतक पार कर चुके वरिष्ठ व्यक्तियों में सरस्वती मोरेश्वर राऊत, राधाबाई जगन्नाथ राऊत, लक्ष्मीबाई चिंतामण घरत, सीताबाई शिवाजी राऊत व लक्ष्मण गणपत पाटील का शाल, स्मृतिचिन्ह व उपहार देकर सम्मान किया गया। इसके साथ ही सहस्त्रचंद्रदर्शन अवसर पर डॉ. राघवेंद्र राऊत, मालती जयवंत घरत, रंजना रामदास राऊत, सुशीला रामदास घरत, गणपत ठक्या राऊत, यशोदा यशवंत राऊत और विश्वनाथ त्रिंबक पाटील का भी सम्मान किया गया। मनुजता राऊत ने गुलमोहर अंक की पृष्ठभूमि बताते हुए गुलमोहर अंक 3 के संपादकीय विवेचन की। इस अंक में विभिन्न विषयों पर लेख, यादें, वंशावली और गतिविधियों की तस्वीरें शामिल थीं। इसका प्रकाशन रमेश राऊत, डॉ. राघवेंद्र राऊत, महादेव राऊत, सतीश घरत व जगन्नाथ घरत के हाथों हुआ। कार्यक्रम में सभी उपस्थितों का परिचय कराना भी एक भावपूर्ण पल रहा। 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठों को विशेष सम्मानित किया गया। परिवार के 97 वर्षीय वरिष्ठ सदस्य सरस्वती मोरेश्वर राऊत का उनकी पाँच पीढ़ियों सहित पालघर नगराध्यक्ष उत्तम पाटील के हाथों विशेष सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इस स्नेहसम्मेलन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन संजय घरत व स्वाती राऊत ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जयमंगल राऊत ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रोहित राऊत, सुधीर राऊत, गिरीश राऊत, केतन राऊत, जितेश राऊत, प्रसाद राऊत, रत्नेश राऊत, अनिश राऊत, निखिल राऊत, शशू राऊत, नितिन राऊत, प्रजीत राऊत, पंकज राऊत, विराजित राऊत और महिला वर्ग ने विशेष योगदान रहा।

वार्ड नंबर 130 में नगरसेवक धर्मेश गिरी की मौजूदगी में नाले की सफाई शुरू

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई शहर और उपनगरों में मनपा कि ओर से मॉनसून के पहले नाले की सफाई का काम शुरू हो गया है। ईशान्य मुंबई के घाटकोपर वार्ड नंबर 130 में (कैमल लेन) से बड़े नालों की - मॉनसून सफाई का काम शुरू हो गया है। जिससे कि आगामी मानसून में यहां के निचले इलाकों में जलजमाव न हो सके। नाला सफाई का कार्य विधायक पराग शाह के मार्गदर्शन और स्थानीय भाजपा नगरसेवक धर्मेश भूपत गिरी के नेतृत्व में शुरू किया गया। इस नाले की सफाई के बारे में स्थानीय नगरसेवक धर्मेश गिरी ने कहा कि वार्ड नंबर 130 में सभी छोटे और बड़े नालों की सफाई का काम शुरू हो गया है और इखढ कार्यकर्ता इस पर ध्यान दे रहे हैं। मॉनसून के दौरान निचले इलाकों में पानी जमा न हो, इसका अभी से ध्यान रखा जा रहा है। इस नाले की सफाई का काम नगरसेवक धर्मेश गिरी की मौजूदगी में शुरू किया गया।

राष्ट्रीय परशुराम सेना का पद वितरण समारोह संपन्न, यूजीसी नीतियों का विरोध

भायंदर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय परशुराम सेना द्वारा L.R. College, मीरा रोड परिसर में आयोजित पद वितरण समारोह भव्यता, अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें समाज के प्रबुद्धजनों, युवाओं और संगठन के पदाधिकारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार को नई दिशा देते हुए दीपक पांडेय सुहाना को राष्ट्रीय युवा संयोजक एवं संस्कृति समिति अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई तथा अन्य कार्यकताओं को भी विभिन्न पदों पर नियुक्त कर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सचिव अविनाश पांडेय ने प्रभावशाली और ऊजार्वान

अंदाज में किया, जबकि मंच पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश पांडेय, महाराष्ट्र अध्यक्ष सचिन चौबे और राष्ट्रीय महासचिव संजय शर्मा सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने University Grants Commission की नीतियों का विरोध करते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया और छात्र-युवा हितों की अनदेखी पर चिंता व्यक्त की, वहीं नगरसेवकों ने भी समाज और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवि सुरेश मिश्रा ने अपनी ओजपूर्ण रचनाओं से वातावरण को प्रेरणादायक बना दिया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। साथ ही नगरसेवक उपाध्याय, प्रतिनिधि शैलेश पांडेय, अधिवक्ता राजकुमार मिश्रा, निशा, बाबुल दुबे, आचार्य आदि गणमान्यों ने अपने विचार रखें।

इस अवसर पर अभिजीत पांडेय, दीपक पांडेय, अखिलेश तिवारी, संतोष शुक्ला, श्रवण पांडेय, मुन्ना तिवारी सुशील पांडेय,पवन पांडेय और संतोष तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा समाज सेवा, एकता और संगठन सुदृढ़ीकरण का संकल्प लिया गया, जिससे यह आयोजन संगठन के लिए नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाला साबित हुआ।

ऐना प्राथमिक आरोग्य केंद्र में एच पी वी टीकाकरण अभियान की शुरूआत

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में गर्भाशय के कैंसर से बचाव के लिए चलाये जा रहे एच पी वी टीकाकरण अभियान की प्रभावी शुरूआत 28 मार्च को ऐना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर की गई। इस अभियान का उद्घाटन 14 वर्षीय कोंपाडा की हर्षला वंशा काठ्या को एल एच वी निलिमा उराडे द्वारा एच पी वी की पहली डोज देकर किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी व वसई तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ऋग्वेद दुधात के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में परिवार के सदस्य भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिससे अभियान में पारिवारिक सहयोग व विश्वास की महत्ता को उजागर किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर नेहा पाटील ने एच पी वी संक्रमण और

गर्भाशय के कैंसर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि एच पी वी लस किस प्रकार से सुरक्षित और प्रभावी है। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण किशोरवयीन लड़कियों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही, कार्यक्रम के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष की आयु की लड़कियों के माता-पिता के साथ एक बैठक भी आयोजित की गई, जहां एच पी वी टीकाकरण के लाभ और महत्व को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया और उपस्थित लोगों के सवालों का समाधान किया गया। यह अभियान किशोरावस्था में एच पी वी टीकाकरण के माध्यम से भविष्य में होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी अधिकारी, कर्मचारी व स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला परिषद पालघर के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे के सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन 30 मार्च को जननायक बिरसा मुंडा सभागृह, पालघर में हुआ। यह कार्यक्रम उत्साह व भावुकता के बीच संपन्न हुआ, जिसमें रवींद्र शिंदे के परिवार सहित प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

समारोह में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटील, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, तत्कालीन जिलाधिकारी गोविंद बोडके, उप जिलाधिकारी सुभाष भागड़े, अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगड़े, उपजिलाधिकारी रणजीत देसाई, पूर्व जिला परिषद सदस्य नीता पाटील, भावना विचारे, हबीब शेख समेत कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही शिंदे जी के परिवार के सदस्य झ उनके पिता उद्धवराव शिंदे, पत्नी अनिता शिंदे व बेटी हषार्ली शिंदे भी इस अवसर पर मौजूद थे।

पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटील ने रवींद्र शिंदे के कर्तव्यनिष्ठा, शिस्तप्रियता व लोकाभिमुख कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने

कहा कि शिंदे ने प्रशासन में निर्णय क्षमता और संवेदनशीलता का अद्भुत संतुलन स्थापित किया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अपनी चंचल व सजीव शैली में शिंदे के साथ अपने कार्य अनुभवों को साझा करते हुए उनकी काम के प्रति निष्ठा, निर्णय क्षमता और कठोरता के साथ-साथ मानवीयता की भी सराहना की। तत्कालीन जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने शिंदे की कार्यशैली की विशेष सराहना करते हुए कहा कि उनकी क्षमता ने अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्यों को प्रभावी रूप से पूरा किया। कार्यक्रम के दौरान रवींद्र शिंदे ने अपने प्रशासनिक जीवन के महत्वपूर्ण अनुभवों और चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में शिस्त, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी को हमेशा प्राथमिकता दी गई, और अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से कई योजनाएं सफलतापूर्वक लागू हो पाई। समारोह के अंत में रवींद्र शिंदे की प्रशासकीय यात्रा पर आधारित एक विशेष चित्रफिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें उनके कार्यकाल के दौरान किये गये विकास कार्यों और उनके नेतृत्व के गुणों का प्रभावी चित्रण किया गया।

यह समारोह भावुक और समर्पण से भरे हुए पलों के साथ समाप्त हुआ, और सभी ने रवींद्र शिंदे के आगामी जीवन के लिए उन्हें अच्छे स्वास्थ्य, सुख की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

कल्याण क्राइम ब्रांच ने रील स्टार सुरेंद्र पाटील को अवैध हथियार रखने के आरोप में किया गिरफ्तार

◆ गिरफ्तारी के बाद ठाणे पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के रहने वाले रील स्टार सुरेंद्र पाटील के जेल से छूटने के कुछ दिन बाद ही कल्याण क्राइम ब्रांच ने उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया है। इस बार आरोप है कि पाटील के घर से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। सुरेंद्र पाटील बलात्कार के आरोप में जेल में बंद थे। हाल ही में उन्हें जमानत मिली थी। जमानत पर रिहा होते ठाणे पुलिस फिर से जेल भेजने की पूरी तैयारी कर चुकी है। सुरेंद्र के घर से अवैध हथियारों का जखीरा मिलने की बात शहर में किसी

को भी हजम नही हो रही है। लोग उल्टा पुलिस के कार्यप्रणाली पर संदेह जता रहे है। पुलिस का आरोप है, कि सुरेंद्र पाटील ने अपने घर पर अवैध हथियारों का जखीरा छुपा रखा था। उनके घर से 7 बंदूकें, 371 कारतूस और अन्य खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं। सुरेंद्र पाटील बालात्कार के मामले में जेल में बंद थे। एक महिला की शिकायत पर मानपाडा पुलिस ने सुरेंद्र पाटील को गिरफ्तार किया था। इस मामले में जेल से छूटते ही नई मुसीबत सुरेंद्र पाटील के आड़े आ गई है। हालांकि देखा जाए तो अबतक ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अधीन आने वाले अलग-अलग विभागों की पुलिस सुरेंद्र पाटील पर अनेकों मामले दर्ज कर चुकी है। उन्हें कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। बीते कुछ सालों में सुरेंद्र पाटील पर की गई कार्रवाई को लेकर पुलिस महकमे के कामकाज पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो गया है। बतादे की ऐसे ही एक मामले में जब पत्रकारों ने सुरेंद्र पाटील से पूछा था, तो पाटील ने कहा था कि पुलिस उन्हें फंसा रही है। पुलिस की कार्रवाई से शहर में चर्चा है कि सुरेंद्र पाटील को जानबूझकर टारगेट तो नहीं किया जा रहा ?

कुर्ला एल वार्ड के संजय नगर झोपड़पट्टी में नाले की सफाई न होने से बीमारी फैलने की आशंका

मनपा अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा में

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। एक तरफ केंद्र तथा राज्य सरकार की ओर से पिछले कई वर्षों से स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ मनपा एल वार्ड के अंतर्गत आने वाले संजय नगर झोपड़पट्टी में

चांद तारा पुलिस चौकी के सामने सड़क पर नाले के गंदे पानी के जमाव से बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। गंदे पानी के जमाव से यहां मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है जिसके कारण बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। उसके बाद भी मनपा के संबंधित अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा धारण किए हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार कुर्ला एल वार्ड के अंतर्गत आने वाले संजय नगर झोपड़पट्टी के चांद तारा पुलिस चौकी के सामने पिछले काफी समय से नाले का गंदा पानी सड़क पर बहता रहता है। जिसके कारण स्थानीय लोगों को यहां से आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। स्थानीय

लोगों का कहना है कि बुजुर्गों, स्कूली बच्चों और महिलाओं को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उसके बाद भी मनपा एल वार्ड की ओर से गंदे पानी की साफ सफाई नहीं की जा रही है।स्थानीय समाजसेवक और राकांपा उत्तर मध्य मुंबई जिला के महासचिव मुजीबुर्रहमान सिद्दिकी ने बताया कि गंदे पानी के जमाव के कारण स्थानीय नागरिकों का बुरा हाल हो गया है। लोगों को गंदे पानी में से होकर गुजरना पड़ता है। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण यहां आए दिन बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ चुका है। मुजीबुर्रहमान सिद्दिकी ने यह भी बताया कि यहां की गलियों में नाले पर बिठाई गई पेवर ब्लॉक भी जगह जगह उखड़ चुकी है। उसके बाद भी मनपा एल वार्ड की ओर से यहां की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

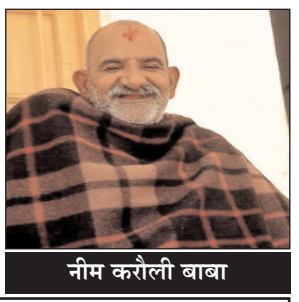

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

किंगफिशर स्मूथ महाराष्ट्र में लॉन्च की घोषणा की

ठाणे। यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड (UBL), जो HEINEKEN कंपनी का हिस्सा है, ने आज महाराष्ट्र में किंगफिशर स्मूथ के लॉन्च की घोषणा की। किंगफिशर पोर्टफोलियो में यह नया वेरिएंट एक महत्वपूर्ण जोड़ है, जो मुख्यधारा के स्ट्रॉन्ग बीयर सेगमेंट में ब्रांड की मौजूदगी को मजबूत करता है, खासकर उस समय जब कंपनी उच्च खपत के दौर के लिए तैयार हो रही है। यह लॉन्च किंगफिशर स्मूथ को तेजी से बढ़ते बाजारों में विस्तार देने की दिशा में एक अहम कदम है। मजबूत रिटेल नेटवर्क और बड़े उपभोक्ता आधार के साथ महाराष्ट्र विस्तार के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। इससे पहले राजस्थान और कर्नाटक में किंगफिशर स्मूथ को उपभोक्ताओं से अच्छा शुरूआती प्रतिसाद मिला है। लॉन्च पर बात करते हुए, यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड के मुख्य विपणन अधिकारी विक्रम बहल ने कहा, किंगफिशर स्मूथ के साथ हम उन उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को ध्यान में रख रहे हैं, जो स्वाद और ताकत का अनोखा मेल चाहते हैं। इसका स्मूथ प्रोफाइल इसे अलग-अलग सामाजिक मौकों के लिए उपयुक्त बनाता है और दोस्तों के साथ आरामदायक समय बिताने के लिए बेहतर विकल्प है। किंगफिशर स्मूथ, किंगफिशर स्ट्रॉन्ग के साथ ब्रांड के प्रमुख पोर्टफोलियो का विस्तार करता है, जिससे स्ट्रॉन्ग बीयर सेगमेंट में उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिलते हैं। यह उत्पाद फिलहाल मुंबई और पुणे के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स में उपलब्ध है और अप्रैल से पूरे महाराष्ट्र में उपलब्ध कराया जाएगा। इसकी कीमत 330 मि.ली. बोतल के लिए 125 रुपये, 330 मि.ली. कैन के लिए 120 रुपये, 500 मि.ली. कैन के लिए 155 रुपये और 650 मि.ली. बोतल के लिए 200 रुपये रखी गई है।

अधिवक्ता स्नेह मिलन समारोह में उमड़ा जनसैलाब, गंगा-जमुनी तहजीब को मजबूत करने का लिया संकल्प

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कचहरी स्थित रामाश्रय वाटिका में होली एवं ईद के पावन अवसर पर गंगा-जमुनी तहजीब के तहत भव्य अधिवक्ता स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सायं 3 बजे से 6 बजे तक चले इस कार्यक्रम में हजारों अधिवक्ताओं ने भाग लिया और एक-दूसरे से गले मिलकर बधाई दी। समारोह में प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे पर गुलाब की पंखुड़ियां डालकर तथा फूल भेंट कर खुशी का इजहार किया। इस दौरान सभी ने बनारस की गंगा-जमुनी तहजीब को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बनारस की प्रसिद्ध ठंडई और सेवई का भी आयोजन किया गया, जिसे अधिवक्ताओं ने बड़े उत्साह के साथ ग्रहण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी राजेश प्रसाद सिंह ने अतिथियों और कलाकारों का माल्यार्पण व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, महामंत्री आशीष सिंह, कृपा शंकर राय बबुआ, पूर्व अध्यक्ष अमरनाथ शर्मा, राधामोहन त्रिपाठी, मोहम्मद आरिफ सिद्दीकी, शैलेन्द्र राय, रमेश कुमार सिंह, देव प्रकाश श्रीवास्तव, चंद्रमा प्रसाद सिंह, मनोज कुमार राय, नित्यानंद राय, अजय शर्मा, ज्ञानेंद्र शर्मा, दीपक राय कान्हा, मनोज यादव, अभय सिंह मिंटू, रामाश्रय पटेल, दिलीप मिश्रा, गगन प्रकाश यादव, बी.पी. सिंह सहित सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन राजेश प्रसाद सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शमीम नोमानी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

वाराणसी पहुंचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव काशी पहुंच चुके हैं और मंगलवार 31 मार्च को होने वाले एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 में भाग लेंगे। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उनका भाजपा कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत किया। यह सम्मेलन दोनों राज्यों के बीच आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के आगमन पर एयरपोर्ट परिसर में उत्साह का माहौल रहा। स्वागत करने वालों में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', मंत्री राकेश सचान, स्वतंत्र प्रभार मंत्री गिरीश यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, डॉ. विजय यादव, संदीप केसरी और भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्र उपाध्यक्ष व प्रोटोकॉल प्रभारी शैलेश पाण्डेय भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने दौरे की शुरूआत काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से किया। यहां वे क्राउड मैनेजमेंट, अधोसंरचना और तीर्थयात्री सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अनुभव के आधार पर मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की योजना तैयार की जाएगी।

खेतासराय पुलिस ने अवैध तमंचा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खेतासराय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने एक शातिर आरोपी को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रही कार्रवाई के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस ने 31 मार्च को जमदहाँ मानीमोड़ क्षेत्र से सेराज उर्फ सिराज पुत्र मोबिन, निवासी ग्राम जैगहाँ को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा .315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस मामले में थाना खेतासराय में मु0अ0सं0-58/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अजय कुमार यादव, हेड कांस्टेबल गोपाल रज्जक व हेड कांस्टेबल विपिन पाण्डेय शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है और कानून-व्यवस्था को मजबूती मिली है।

संयुक्त उत्तर भारतीय समाज एनजीओ द्वारा कवार्षिक उत्सव संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में उत्तर भारतीय गौरव सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित विगत (11) वर्षों से लगातार किया जा रहा है। जहां पर गरीब असहाय लाचार दिव्यांग विद्यार्थियों की मदद करना व समाज को एकत्रित करके रखना संस्था का महत्वपूर्ण उद्देश्य रहता है। संस्था के अध्यक्ष संस्थापक राजेश सभाजीत दुबे ने बताया कि हमारी संस्था के तमाम पदाधिकारी के द्वारा यह कार्यक्रम संपन्न होता है हर वर्ष में एकबार एकत्रित होकर मंच पर सम्मानित करते हुए, गौरव सम्मान के रूप में सभी मान्यवरों की सम्मानित किया जाता है। समाज में सेवारत उन संस्थाओं को भी सम्मानित किया जाता है वो समाजसेवी को भी सम्मानित किया जाता है आए हुए समस्त सहभागियों का भी इसी क्रम में सम्मान किया जाता है?। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माजी नगर सेवक विनोद मिश्रा, नगर सेवक तुलसीराम शिंदे, समाजसेवी गौरी शंकर चौबे, और तमाम संगठन के वरिष्ठ जन वो पदाधिकारी इसके साक्षी बने पुष्प कुछ राम दरबार व उत्तर भारतीय अवार्ड देकर लोगों को सम्मानित किया गया। जिसमें अपने साथ युवाओं को भी जोड़ने का कार्य संस्था के माध्यम से करते हुए इसी क्रम में उन लोगों को भी सम्मानित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष राजेश दुबे ने बताया कि हमारे पदाधिकारी कड़ी मेहनत व परिश्रम करते हैं सेवा भाव से जिसमें राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुशील दुबे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अवधेश मिश्रा, राष्ट्रीय सचिव शिवा मिश्रा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री गंगेश दुबे, राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता संतोष राजाराम पांडे, लक्ष्मण द्विवेदी, संतोष तिवारी, अशोक यादव, मंगल पाल, लालेश दुबे, दिनेश दुबे, मोहन दुबे, आनंद कुमार दुबे, नागेंद्र दुबे, मुंबई अध्यक्ष राजेश उपाध्याय, महाराष्ट्र अध्यक्ष अशोक मिश्रा, महाराष्ट्र प्रभारी योगेश पाठक, राष्ट्रीय प्रभारी नरेंद्र तिवारी, लल्लन, आचार्य प्रवीण मिश्रा, महिला पदाधिकारी राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष किरण मंगला शुक्ला, महाराष्ट्र अध्यक्ष श्रीमती मंजू दुबे, महाराष्ट्र उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता पांडे, उद्योगपति मुन्ना तिवारी, शिवसेना बालासाहेब ठाकरे एकनाथ शिंदे गुट राष्ट्रीय प्रवक्ता गुलाब दुबे, युवा टीम कार्तिक दुबे, सिद्धार्थ दुबे, मौर्य जी डिंडोसी विधानसभा के अध्यक्ष श्याम शंकर मिश्रा, के साथ समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्नेहा दुबे पंडित नई दिल्ली मे नॅशन फर्स्ट प्रोग्राम मे हिस्सा लिया

नई दिल्ली । नई दिल्ली में नेशन फर्स्ट ऑर्गनाइजेशन की तरफ से देश भर के विधायक के लिए ऑर्गनाइज की गई एक वर्कशॉप में शामिल होने का मौका मिला। इस सेशन में पार्लियामेंट्री प्रोसीजर, अलग-अलग सरकारी स्कीम और लेजिस्लेटिव टूल्स के असरदार इस्तेमाल के बारे में कीमती जानकारी मिली। चचाएँ बहुत अच्छी थीं और निश्चित रूप से पब्लिक सर्विस को ज्यादा असरदार और कुशल बनाने में मदद करेंगी। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए विधायक का जोश से भरा हिस्सा देखना भी बहुत अच्छा लगा। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित को आज नई दिल्ली में नेशन फर्स्ट ऑर्गनाइजेशन की पहल पर देश भर के विधायक के लिए ऑर्गनाइज की गई एक वर्कशॉप में शामिल होने का मौका मिला। इस पहल के लिए ऑर्गनाइजर का दिल से शुक्रिया। वर्कशॉप के दौरान, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित को पार्लियामेंट्री प्रोसीजर, अलग-अलग सरकारी स्कीम और लेजिस्लेटिव टूल्स के असरदार इस्तेमाल जैसे टॉपिक परं गहराई से और काम की गाइडेंस मिली। यह अनुभव निश्चित रूप से पब्लिक काम को और असरदार तरीके से करने में जरूरी होगा। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए सभी विधायक ने इस प्रोग्राम में जोश से हिस्सा लिया।

ग्राम प्रधान पर जानलेवा हमला, लाठी-डंडों व ईंट से किया लहूलुहान

-प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर थाना क्षेत्र के खरियामऊ गांव में मंगलवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आधा दर्जन से अधिक मनबढ़ युवकों ने ग्राम प्रधान पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना उस वक्त हुई जब ग्राम प्रधान पंचायत में सरकारी अन्नपूर्णा भवन के निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान रमेश कनौजिया (उम्र लगभग 40 वर्ष), पुत्र मुन्नू राम कनौजिया, मंगलवार शाम करीब 5 बजे निर्माण स्थल पर मौजूद थे। इसी दौरान गांव के कुछ मनबढ़ युवक वहां पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे। प्रधान द्वारा विरोध करने पर हमलावर उग्र हो गए और लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया।

हमले में प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए और लहूलुहान होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद एक युवक ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण जुटने लगे। भीड़ इकट्ठा होते देख हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल प्रधान को आनन-फानन में मछलीशहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

आजमगढ़ : हत्या की सूचना से मचा हड़कंप, परिजनों की बात ने पुलिस को किया हैरान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के अहरौला थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में मंगलवार सुबह एक संदिग्ध मौत की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की, हालांकि परिजनों ने मौत को हार्ट अटैक का परिणाम बताया है।

जानकारी के अनुसार, पनकरपुर (शाहपुर) गांव निवासी 62 वर्षीय जगरोपन यादव अपने घर पर मौजूद थे। सुबह किसी अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि दो भाइयों के बीच विवाद में एक की हत्या कर दी गई है। इस पर थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की पूछताछ में मृतक की पत्नी कुमारी देवी ने बताया कि उनके पति को पहले से ही हृदय संबंधी बीमारी थी और मंगलवार सुबह नहाते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से भी साफ इंकार कर दिया। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। बताया जा रहा है कि सुबह मृतक का अपने भाई से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद वह घर लौट आया। हालांकि इस संबंध में कोई भी व्यक्ति खुलकर कुछ कहने को तैयार नहीं है।

सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने में लगी रही। पुलिस का कहना है कि अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है और बाहर रह रहे मृतक के पुत्रों के आने का इंतजार किया जा रहा है। मृतक जगरोपन यादव चार भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। वह खेती-किसानी के साथ ही वन विभाग में दिहाड़ी मजदूर के रूप में पौधारोपण व देखरेख का कार्य करते थे। थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि हत्या की सूचना मिली थी, लेकिन परिजन इसे हार्ट अटैक से हुई मौत बता रहे हैं। पोस्टमार्टम के लिए कहा गया, परंतु परिजनों ने मना कर दिया है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

वामपंथी विचारधारा की उपज है नक्सलवाद

नईदिल्ली। लोकसभा में वामपंथी उग्रवाद पर हुई चर्चा के बीच एक बात बार-बार उभरकर सामने आई जो कहा, वो किया। भारत की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जिस आत्मविश्वास से यह भविष्यवाणी की थी कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, वह अब साकार होती दिखाई दे रही है। नक्सलवाद आज समाप्ति के कगार पर खड़ा है। नए भारत के निर्माण में जुटे अमित शाह के नेतृत्व में उभरी यह कहानी केवल सुरक्षा अभियानों की नहीं, बल्कि एक विचारधारा के अंत और विकास की शुरूआत की कहानी है। वर्षों तक यह धारणा बनाई गई कि नक्सलवाद गरीबी और पिछड़ेपन की उपज है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट दिखाई देती है। कई ऐसे क्षेत्र, जहाँ समान या उससे भी अधिक गरीबी थी, वहाँ नक्सलवाद नहीं फैला। इससे यह धारणा मजबूत हुई कि गरीबी के कारण नक्सलवाद नहीं फैला, बल्कि नक्सलवाद के कारण गरीबी ने जड़ें जमाईं। भारत की राजनीति को नई दिशा देने वाले अमित शाह के दृष्टिकोण में यह स्पष्ट झलकता है कि नक्सलवाद एक वैचारिक समस्या है, न कि केवल आर्थिक। दशकों तक रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले क्षेत्रों में विकास की रोशनी इसलिए नहीं पहुँच सकी क्योंकि बंदूक की छाया ने शासन और व्यवस्था को दूर रखा। स्कूल, सड़क, बैंक, अस्पताल सब कुछ योजनाओं में था, लेकिन जमीन पर नहीं उतर सका। यह स्थिति तब बदली जब मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ विकास और सुरक्षा को एक साथ आगे बढ़ाया गया। शाह के प्रयासों का असर आंकड़ों में भी दिखता है। कभी 126 जिलों तक फैला नक्सल प्रभाव अब सिमटकर लगभग समाप्ति पर है। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, हजारों मोबाइल टावर लगाए गए, बैंकिंग सुविधाएं पहुँची और शिक्षा व कौशल विकास के केंद्र खुले। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि शाह की सुनियोजित रणनीति और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। नक्सलवाद के ताबूत में अंतिम कील ठोकने वाले शाह की रणनीति केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रही। यह 'Whole of Government और 'Whole of Agency' अप्रोच का उदाहरण बन गई, जिसमें सुरक्षा बल, खुफिया एजेंसियाँ, विकास योजनाएँ और स्थानीय प्रशासन सभी मिलकर काम करते दिखे। जहाँ पहले राज्य की मौजूदगी नहीं थी, वहाँ अब पंचायतें सक्रिय हैं, स्कूल खुल रहे हैं और युवा खेल-कूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। बस्तर जैसे इलाकों में अब लाल आतंक की जगह विकास की चर्चा हो रही है। जो लोग हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उनके लिए पुनर्वास की योजनाएँ बनाई गईं र्थिक सहायता, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मुहैया कराए गए। वहीं, जो हिंसा का रास्ता नहीं छोड़ते, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी जारी रही। यह संतुलन ही शाह की पूरी रणनीतिक सफलता का आधार बना। दृढ़ संकल्प के प्रतीक शाह की इस पहल ने यह भी दिखाया कि नक्सलवाद केवल एक सुरक्षा चुनौती नहीं, बल्कि एक वैचारिक भ्रम भी था। वर्षों तक कुछ वर्गों ने इसे अधिकारों की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत किया, लेकिन वास्तविकता में यह लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ एक सशस्त्र विद्रोह था। भारतीय राजनीति के चाणक्य शाह के जवाबों से यह भी स्पष्ट हुआ कि वामपंथी विचारधारा की उपज है नक्सलवाद, जो सत्ता को बंदूक के जरिए हासिल करने की सोच पर आधारित रही।

हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन, श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ

मुंबई। विक्रोली पार्कसाइट के हनुमान नगर स्थित श्री वीर हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर दिनांक 1 अप्रैल 2026 (बुधवार) को प्रातः काल से श्रीरामचरितमानस पाठ (अखंड रामायण) का शुभारंभ किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन की पूणार्हुति दिनांक 2 अप्रैल 2026 (गुरुवार) को होगी, जिसके उपरांत सायंकाल महाप्रसाद भंडारे का भी आयोजन किया गया है। सभी श्रद्धालु भक्तों से अपील है कि सपरिवार पधारकर इस पावन अवसर पर सहभागिता करें एवं धर्म लाभ प्राप्त करें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य आयोजक निलेश तिवारी (गोपाल) एवं दिवाकर मिश्रा सहित अभयकांत तिवारी, विशाल गारगोटे, प्रीतम यादव (बबलू), दलजीत पांडेय, विमलेश मिश्रा, अरविंद शुक्ला, अजय पांडेय (बब्बू), दिनेश सिंह, वीरेंद्र विश्वकर्मा, आदेश मिश्र, डॉ. चंद्रकेश विश्वकर्मा, कृष्णकुमार दुबे, तुकाराम माने तथा अन्य मंदिर सहयोगी एवं स्थानीय श्रद्धालु भक्तगण सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

पत्रकार मोहम्मद असलम खाँन को फूल मालाओं से किया गया सम्मानित

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत के शगुन मैरेज हाल में 31 मई दिन मंगलवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, जौनपुर जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना और वाराणसी मण्डल अध्यक्ष बिन्देश्वरी सिंह नें केराकत नगर पंचायत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नम्बर (9) के निवर्तमान सभासद एवं हिन्दी दैनिक अखबार के केराकत त्र तहसील प्रभारी त्र पत्रकार मोहम्मद असलम खाँन को अंगवस्त्र, परिचयपत्र देकर फूल मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर इन्होने कहा कि मैं केराकत की जनता कि तरफ से और अपनें केराकत के पत्रकार साथियों एवं वरिष्ठ जनों की तरफ से सिराजे हिन्द जौनपुर के जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना जी का और वाराणसी मण्डल अध्यक्ष बिन्देश्वरी सिंह का बहुत बहुत शुक्रिया अदा करता हूँ और इन लोगों को धनयवाद देता हूँ। पत्रकार मोहम्मद असलम खाँन नें कि यह सब मेरे माता पिता और और मेरे भाइयों बहनों की दुवाओं का असर है।

हत्या के दोषी दंपती को 10-10 वर्ष की सजा, 12-12 हजार का जुमार्ना

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए रामसेवक उर्फ काशी हत्याकांड में मंगलवार को सत्र न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया। सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोष सिद्ध होने पर आरोपी दंपती को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास और 12-12 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में दोनों को 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जेल में बिताई गई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शाहगंज थाना क्षेत्र के अरुआंव गांव निवासी विजय कुमार ने घोरावल थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसका 26 वर्षीय पुत्र रामसेवक उर्फ काशी 9 अगस्त 2022 की शाम बाइक से घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद 12 अगस्त को सूचना मिली कि महुआंव पांडेय गांव के एक कुएं में युवक का शव मिला है। पोस्टमार्टम हाउस में पहचान करने पर वह शव रामसेवक का ही निकला। जांच के दौरान पता चला कि 9 अगस्त की शाम रामसेवक आरोपी रामलखन उर्फ रवि के घर गया था, जहां शराब के दौरान कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट कर उसकी हत्या कर दी गई और शव को छुपाने के लिए कुएं में फेंक दिया गया। पुलिस ने मामले में पर्याप्त साक्ष्य जुटाकर आरोपी दंपती रामलखन और कृष्णावती के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने प्रथम अपराध बताते हुए नरमी की मांग की, जबकि अभियोजन पक्ष ने कठोर दंड की पैरवी की। दोनों पक्षों की दलीलों, गवाहों के बयान और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने आरोपी दंपती को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष के कारावास और 12-12 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई।

अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना में वार्षिकोत्सव व शिक्षा चौपाल का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निपुण भारत मिशन के निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति एवं जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना में वार्षिकोत्सव एवं शिक्षा चौपाल का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायक गीतों और कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का हृदय आह्लादित कर दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार यादव एवं ब्लॉक प्रमुख करंजाकला के प्रतिनिधि सुनील कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों को जागरूक किया और विद्यालय में हो रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में ब्लॉक के सम्मानित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी सहभागिता करते हुए शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। वहीं लायंस क्लब के अध्यक्ष राजेश राज एवं सचिव योगेश साहू ने विद्यालय के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सहयोग स्वरूप पंखे उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुप्रनीत, संजय, मनोज यादव, विजय गुप्ता, अनिल, अजय, रंजना, बबिता देवी, रेणुका सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में एसएमसी अध्यक्ष रामजीत बिंद ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया, जबकि प्रधानाध्यापिका श्रीमती रागिनी गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले को 10 वर्ष की सजा, 55 हजार का जुमार्ना

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। करीब पांच वर्ष पूर्व दलित युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में मंगलवार को विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट आबिद शमीम की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। साथ ही 55 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने पर दोषी को 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि जुमार्ने की आधी धनराशि पीड़िता को दी जाएगी तथा जेल में बिताई गई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन के अनुसार, करमा थाना क्षेत्र की एक दलित युवती ने 17 मई 2021 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि खैरपुर सिरसिया ठकुराई निवासी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में वह अपनी ही बिरादरी की दूसरी लड़की से शादी करने की तैयारी करने लगा। जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मामले में करमा पुलिस ने दुष्कर्म व एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों, सात गवाहों के बयान और साक्ष्यों का अवलोकन किया। सभी तथ्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को दोषी मानते हुए 10 वर्ष की कठोर कैद और 55 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी अधिवक्ता सी. शशांक शेखर कात्यायन ने प्रभावी पैरवी की।

पुलिस पर फायरिंग करने वाला शातिर अपराधी गिरफ्तार, तमंचा व बाइक बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरपतहां पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम पर फायरिंग करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, थाना सरपतहां पुलिस 31 मार्च को सरपतहां मोड़ पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि लालपुर की ओर से दो अपराधी मोटरसाइकिल से किसी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन पीछे बैठे व्यक्ति ने पुलिस पर जानलेवा फायरिंग कर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों का पीछा किया। लालपुर मोड़ के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे एक आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे को पुलिस ने पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अखिलेश वर्मा पुत्र स्वर्गीय रामपाल वर्मा निवासी भैसौली, थाना सरपतहां के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा .315 बोर, एक फायर किया हुआ कारतूस, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, 1550 रुपये नगद, एक मोबाइल फोन तथा एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। इस मामले में थाना सरपतहां पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीमःथानाध्यक्ष यजुवेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक प्रदुम्मन त्रिपाठी सहित कई पुलिसकर्मियों की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस की सतर्कता बढ़ा दी गई है और अपराधियों में दहशत का माहौल है।

करंट की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया

कन्हैया मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र के अहमद खां मंडी से एक बेहद दुखद एवं चिंताजनक घटना सामने आई है, जहां करंट की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मल्हनी क्षेत्र से आया किशोर छोटू अपनी नानी हरिरून से मिलने जौनपुर आया था। सोमवार की सुबह वह घर से टहलने के लिए निकला था। इसी दौरान घर के बाहर लगे बोरवेल (हैंडपंप) के संपर्क में आ गया, जिसमें विद्युत करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट की चपेट में आते ही वह गंभीर रूप से झुलस गया और गिरने से उसके सिर में भी गंभीर चोट आ गई। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

लापरवाही पर उठे सवाल

इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले में करंट प्रवाहित बोरवेल का होना बड़ी लापरवाही का परिणाम है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों की मांग

घटना के बाद क्षेत्रवासियों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा ऐसे खतरनाक स्थानों को सुरक्षित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की तहसील इकाई केराकत की बैठक सम्पन्न

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय शगुन मैरेज हाल में मंगलवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की तहसील इकाई केराकत का परिचय समारोह एवं परिचय पत्र वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में क्षेत्र के अनेक पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन सदैव पत्रकारों के हित में कार्य करती रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने उपस्थित पत्रकार साथियों को आश्वस्त किया कि संगठन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा रहेगा।

इस अवसर पर वाराणसी मण्डल अध्यक्ष बिन्देश्वरी सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में वर्तमान पत्रकारिता की चुनौतियों और जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पत्रकार को निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित के प्रति समर्पित रहना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण पत्रकारिता समाज की आवाज होती है, इसलिए पत्रकारों को अपने दायित्व का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।

तहसील अध्यक्ष राजेश यादव ने आगंतुक अतिथियों एवं पत्रकार साथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन पत्रकारों को एक मंच पर लाने और संगठन को मजबूत करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम का सुचारु संचालन सुभाष फौजी ने किया।

समारोह में वरिष्ठ पत्रकार दीपनरायन सिंह, मोहम्मद असलम खाँन,पंकज राय, अमित यादव, कौशलेन्द्र गिरी,रामफेर शर्मा, राम नवमी के अतिरिक्त डॉ. पप्पू सरोज (जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि), पूर्व प्रधान ओमप्रकाश सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में तहसील अध्यक्ष राजेश यादव ने बैठक की समाप्ति की घोषणा करते हुए सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

शाही पुल स्थित मंदिरों के सौंदर्यीकरण कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

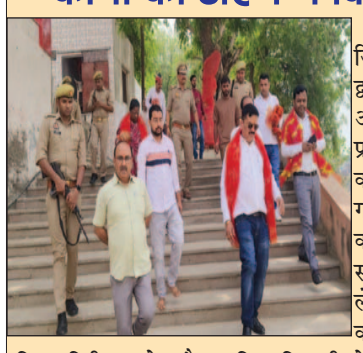

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा शाही पुल स्थित मंदिरों में आवास एवं विकास परिषद के प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की रूपरेखा, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता प्रीति विश्वकर्मा से प्रस्तावित कार्यों की विस्तृत जानकारी ली और निर्देशित किया कि सौंदर्यीकरण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय से पूर्ण किए जाएं। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर पवन कुमार को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्र सहित शाही पुल एवं गोमती घाट पर नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता एवं सौंदर्य बनाए रखा जा सके। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौशालाओं के लिए भूसा दान करने की जिलाधिकारी ने की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में गौवंश एवं अन्य निराश्रित पशुओं के संरक्षण और उनके समुचित भरण-पोषण हेतु संचालित गौशालाओं में भूसे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनपदवासियों से सहयोग की अपील की है। जिलाधिकारी ने समस्त कृषक बंधुओं, समाजसेवियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक मात्रा में भूसा दान करने का आग्रह किया है, जिससे गौशालाओं में संरक्षित निराश्रित गोवंश को पर्याप्त चारा उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि किसान भाई अपनी फसल से प्राप्त भूसे का कुछ अंश गो आश्रय स्थलों के लिए दान करते हैं, तो इससे निराश्रित पशुओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भूसा संग्रहण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा एकत्रित भूसे को शीघ्र गौशालाओं तक पहुंचाया जाए। उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने और गौसेवा में अपना योगदान देने की अपील की है।

एचडीएफसी बैंक को इंडियास सेफेस्ट प्राइवेट बैंक व इंडियास बेस्ट प्रीमियर बैंकिंग का पुरस्कार मिला

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक को यूरोमनी प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड - 2026 में इंडियास सेफेस्ट प्राइवेट बैंक व इंडियास बेस्ट प्रीमियर बैंकिंग के रूप में सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों का आयोजन यूरोमनी पत्रिका द्वारा किया गया था।

एचडीएफसी बैंक ने इस वर्ष प्रीमियर बैंकिंग के लिए भारत का सर्वश्रेष्ठ बैंक का खिताब हासिल किया है। यह उपलब्धि बैंक के प्रदर्शन, उत्पादों की विविधता, डिजिटल क्षमताओं और मानव संसाधन विकास के क्षेत्रों में लगातार हो रही प्रगति का परिणाम है। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड - इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, प्राइवेट बैंकिंग, इंटरनेशनल बैंकिंग, डिजिटल इकोसिस्टम और बीएएएस, राकेश के सिंह ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि हमें भारत का सबसे सुरक्षित निजी बैंक और प्रीमियर बैंकिंग के लिए भारत का सर्वश्रेष्ठ बैंक के रूप में मान्यता मिली है।

निर्मला फाउंडेशन का भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई। शहर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था निर्मला फाउंडेशन द्वारा 29 मार्च 2026 को सोशल वेल्फेयर सेंटर, रेलवे कॉलोनी, सांताक्रुज (पश्चिम), मुंबई में भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, फिल्म, संगीत और समाजसेवा से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया। संस्था की अध्यक्ष डॉ. शशिकला पटेल ने स्वागत भाषण देते हुए फाउंडेशन की गतिविधियों और उद्देश्यों से उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया। इसके पश्चात कार्याध्यक्ष चंद्रवीर बंशीधर यादव ने अतिथियों का परिचय एवं सम्मान कर कार्यक्रम को औपचारिक रूप से आगे बढ़ाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार, गीतकार एवं पटकथा लेखक मधुराज मधु ने की। उन्होंने अपने संबोधन में मानवतावादी मूल्यों और सामाजिक एकता पर बल देते हुए अपनी आगामी हिंदी फिल्म की जानकारी भी साझा की। स्वागताध्यक्ष के रूप में आर.एन. यादव उपस्थित रहे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. महेंद्र (पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, एसएनडीटी) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विशिष्ट अतिथियों में नामदार राही (संपादक, हरित जीवन), ललित आर्या (फिल्म निर्देशक), ओम प्रकाश प्रजापति संपादक, दैनिक उत्तरशक्ति, डॉ. परमिंदर पांडेय अध्यक्ष, आईपीसी, राकेश जलोत्रा (फिल्म प्रोड्यूसर), साहित्यकार रामसिंह, दिव्या जैन (संपादक, अंतरंग संगिनी) एवं आर.के.

कॉलेज के डायरेक्टर आर.के. सर शामिल रहे, जिनका सम्मान किया गया।

समारोह में डॉ. कृष्णकुमार यादव (एमबीबीएस, एमडी, जनरल मेडिसिन, डायबिटोलॉजिस्ट एवं कार्डियोलॉजिस्ट) को शॉल, स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही मानववादी लेखक संघ द्वारा डॉ. शशिकला पटेल को मुंबई विश्वविद्यालय से पीएच.डी. उपाधि प्राप्त करने पर विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

काव्य पाठ इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। भरे हुए सभागार में श्रोताओं ने कविताओं, गीतों और विचारों का भरपूर आनंद लिया। महिला रचनाकारों की प्रस्तुतियों ने विशेष रूप से सराहना बटोरी। आराधना रावत, जाकिर हुसैन रहबर, अर्चना वर्मा सिंह, कृष्णा श्रीवास्तव, सत्यवती मौर्य, विद्या शर्मा और लक्ष्मीकांत कमलनयन की रचनाएं उल्लेखनीय रहीं। वरिष्ठ कवयित्री डॉ. नीलिमा पांडेय ने अपने विचारप्रधान दोहे, गीतिका और गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनका गीत चूनर मेरी धानी हो गई विशेष रूप से सराहा गया। उषा मधु ने मां से बड़ा देव न दूजा गीत प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। ग्वालियर से आए महेश भट्ट की हास्य कविता और अभिनेता कृष्ण बंसल की अभिनययुक्त प्रस्तुति ने माहौल को जीवंत बना दिया। इसके अतिरिक्त जवाहर लाल निर्झर, कल्पेश यादव, विनय शर्मा दीप और त्रिलोचन सिंह अरोड़ा ने भी उत्कृष्ट काव्य पाठ कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में जीत बहादुर पटेल, गजानन परब, राजेंद्र गुप्ता, सज्जाद खान, जितेंद्र यादव, जनार्दन सिंह, राकेश वर्मा, चंदन मधु, आदित्य गौड़ (म्यूजिक डायरेक्टर), शकील शेख, अमरदीप और पत्रकार यशपाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के महासचिव डॉ. अमर बहादुर पटेल ने किया, जबकि संयोजन अजय कुमार गुप्ता, सुरेंद्र पाल, गिरधारी लाल पंडित और रितु कुमार ने संभाला। अंत में कार्याध्यक्ष चंद्रवीर यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संविधान और आरक्षण की रक्षा को लेकर सपा नेता का सरकार पर हमला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ, जौनपुर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सदर मोहम्मद अरशद खान ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए एक प्रेस बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियां संविधान की मूल भावना के विपरीत हैं और प्रदेश में बुलडोजर राज स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए बिना उसकी संपत्ति को ध्वस्त करना कानून के शासन के खिलाफ है। केवल एफआईआर के आधार पर कार्रवाई करना और पूरे परिवार को दंडित करना अन्यायपूर्ण है तथा यह न्यायिक प्रक्रिया का उल्लंघन है। सपा नेता ने कथित हाफ एनकाउंटर घटनाओं पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाइयां कानून व्यवस्था नहीं

बल्कि भय का माहौल पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में निष्पक्ष जांच पूरी होने से पहले इस प्रकार की कार्रवाई न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। उन्होंने बुलंदशहर की घटना का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि आरोपियों को सम्मानित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है, जबकि पीड़ित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है। इसे उन्होंने दोहरे मापदंड का उदाहरण बताया। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं और अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़े वर्ग को आरक्षण का पूरा लाभ नहीं दिया जा रहा है, जिससे सामाजिक न्याय कमजोर हो रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए बदलाव का निर्णय लेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता समाजवादी विचारधारा का समर्थन करते हुए अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाएगी। उन्होंने इसे संविधान और अधिकारों की रक्षा का निर्णायक चुनाव बताया।

जौनपुर पुलिस की बड़ी कामयाबी: 240 गुमशुदा मोबाइल बरामद, स्वामियों को किए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में साइबर क्राइम थाना एवं विभिन्न थानों की साइबर सेल टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 240 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली स्वामियों को वापस सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये बताई जा रही है। अब तक कुल 1400 मोबाइल फोन बरामद कर लोगों को सुपुर्द किए जा चुके हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव (नोडल साइबर थाना) के नेतृत्व और क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम के पर्यवेक्षण में यह अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने जौनपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों– आजमगढ़, वाराणसी, प्रयागराज,

लखनऊ, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़ और भदोही–के साथ-साथ दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और राजस्थान जैसे अन्य राज्यों से भी मोबाइल फोन बरामद किए।

बरामद मोबाइल फोन में वन प्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया और सैमसंग जैसी कंपनियों के स्मार्टफोन शामिल हैं। मोबाइल वापस पाकर लोग काफी खुश और संतुष्ट नजर आए।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने लोगों से अपील की कि मोबाइल खोने पर तुरंत थाने में गुमशुदगी दर्ज कराएं और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत जरूर करें। साथ ही साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूक रहने की सलाह दी।

साइबर सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानियां:

संदिग्ध मैसेज और कॉल पर भरोसा न करें

1 रुपये में जमीन, 2000 मेगावॉट सोलर प्रोजेक्ट से एमपी–यूपी ने खोला भविष्य का खाका

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। काशी की पवित्र धरती मंगलवार को उस ऐतिहासिक क्षण की गवाह बनी, जब मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने साझा विरासत को आधार बनाते हुए विकास, निवेश और पर्यटन के क्षेत्र में एक व्यापक और दूरगामी साझेदारी का ऐलान किया। एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 में लिए गए फैसलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग की राजनीति नए भारत की दिशा तय कर रही है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि काशी विश्वनाथ धाम विश्व के सात पवित्र स्थलों में शामिल है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से एक मजबूत और भरोसेमंद अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि दोनों राज्य सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक रूप से एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं और अब विकास के मोर्चे पर भी साथ आगे बढ़ रहे हैं।

सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता रहा। इस करार से काशी और उज्जैन के बीच धार्मिक पर्यटन का नया अध्याय खुलेगा। श्रद्धालुओं को बेहतर, सुगम और समन्वित दर्शन व्यवस्था मिलेगी, जिससे दोनों राज्यों में पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इसके साथ ही ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच महत्वपूर्ण एमओयू हुआ।

इस पहल के तहत स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक शिल्प और जीआई टैग वस्तुओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई है। इसी दिशा में उज्जैन में 284 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल बनाने की घोषणा की गई, जहां देशभर के ओडीओपी उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।ऊर्जा क्षेत्र में भी दोनों राज्यों ने बड़ा कदम उठाया है। मुरैना में 2000 मेगावॉट के सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा। यह परियोजना किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के साथ-साथ उद्योगों को स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। जल और कृषि के क्षेत्र में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को भी सम्मेलन में प्रमुखता दी गई। बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए यह परियोजना जीवनरेखा साबित हो सकती है, जिससे सिंचाई और पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान मिलेगा।

निवेश को आकर्षित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित करने के लिए 1 रुपये की लीज पर 30 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय निवेशकों के लिए बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुदान और आसान नीतियों की भी घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश अब नक्सल मुक्त राज्य बन चुका है। उन्होंने इसे विकास के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे उद्योगों और निवेशकों को सुरक्षित वातावरण मिलेगा और प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। औद्योगिक और आर्थिक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर हो गया है और 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हो रहा है। राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 40 हो चुकी है, जो स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति का संकेत है। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश की ओर से भी एमएसएमई और ओडीओपी मॉडल की सफलता को साझा किया गया। राज्य में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं, जो 3 करोड़ लोगों को रोजगार दे रही हैं। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बिना ब्याज के 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में भी नई पहल की घोषणा हुई। मध्य प्रदेश ने ह्यपीएमश्री पर्यटन वायु सेवाह्न और ह्यहेली पर्यटन सेवाह्न शुरू कर धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। साथ ही काशी और उज्जैन को जोड़ते हुए एक साझा धार्मिक सर्किट विकसित करने की योजना बनाई गई है। सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में दोनों राज्यों के शिल्पकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

देवी धाम बसौली में श्रद्धालु दंपति ने चढ़ाया सवा किलो का चांदी का छत्र व मुकुट

जनपद के पश्चिमांचल में स्थित प्रसिद्ध सिद्धिपीठ देवी धाम बसौली में दिखी आस्था की झलक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के पश्चिमांचल में स्थित सुइथाकला अंतर्गत प्रसिद्ध सिद्धिपीठ देवी धाम बसौली में मंगलवार को आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। करौंदीकला क्षेत्र के हाजीपुर बरुआर गांव निवासी श्रद्धालु पंकज सिंह (मोनू) एवं उनकी धर्मपत्नी नीलू सिंह ने मां शीतला के दरबार में सवा किलो का चांदी का छत्र और मुकुट अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। दंपति ने बताया कि उनकी मनोकामना पूर्ण होने पर मां शीतला के चरणों में चांदी का छत्र एवं मुकुट अर्पित किया।

पूजन कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार की गूंज रही। मुख्य पुजारी पं. रमेश तिवारी के नेतृत्व में पं. माता प्रसाद तिवारी उर्फ जल्लू तथा पं. हरिशंकर तिवारी ने पूरे विधि-विधान के साथ विशेष पूजा-अर्चना संपन्न कराई। श्रद्धालु दंपति ने माता रानी के दरबार में मत्था टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं उन्नति की कामना की।

इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित अन्य श्रद्धालुओं ने भी मां शीतला के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और धार्मिक माहौल में सहभागिता निभाई। भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। देवी धाम बसौली के मुख्य पुजारी पंडित रमेश तिवारी ने बताया कि यह मंदिर क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्रों में गिना जाता है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं और मां के दरबार में पूजा-अर्चना करते हैं। विशेष अवसरों और पर्व-त्योहारों पर यहां बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। कहा कि मां शीतला का यह पावन धाम 14 कोस क्षेत्र में अत्यंत प्रसिद्ध और श्रद्धा का केंद्र है। उन्होंने बताया कि यह मंदिर लगभग 18वीं शताब्दी में निर्मित माना जाता है और इससे जुड़ी कई प्राचीन मान्यताएं एवं किंवदंतियां प्रचलित हैं। उन्होंने बताया कि बसौली धाम की मां को क्षेत्र में कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है और यहां आने वाले श्रद्धालुओं की हर मनोकामना पूर्ण होती है। इस सिद्धिपीठ से लाखों लोगों की अगाध आस्था जुड़ी हुई है, यही कारण है कि वर्षभर यहां भक्तों का तांता लगा रहता है। मौके पर रामसुंदर सिंह, कमलेश सिंह, अशोक कुमार सिंह, नीलू सिंह, दिलीप सिंह, अनीता सिंह, अंतिमा सिंह, संदीप सिंह, प्रदीप सिंह, सरिता सिंह, बृजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवारों को कुचला, महिला समेत तीन की मौत, सड़क जाम

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र , मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। अहरौरा-चुनार मार्ग पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा रोशनहर गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार लोड ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान सोनपुर अहिरुपुर निवासी देववती उम्र 28 वर्ष पत्नी अशोक कुमार, अनुराग उम्र 19 वर्ष पुत्र चंद्रावती बिंद तथा अनमोल उम्र 5 वर्ष पुत्र अशोक कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों घाटमपुर जा रहे थे, जहां बच्चे का झाड़-फूंक कराना था। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रेलर ने उनकी बाइक को कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेने का प्रयास किया, लेकिन हादसे से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। वे मौके पर उच्च अधिकारियों को बुलाने तथा मुआवजे की मांग कर रहे थे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था।